शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 270 | गुवाहाटी | बुधवार, 1 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

खालिस्तानियों को लेकर एक्शन में अमेरिकी सरकार, दस के खिलाफ लुकआउट नोटिस पेज 2
भाजपा शुरुआत से एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण की समर्थक : शाह पेज 3
सपा, बसपा व कांग्रेस आईसीयू में : केशव प्रसाद मौर्य पेज 5
इंदौर संभाग की टीम ने बनाया अनोखा रिकार्ड, 241 ओवर में बनाए 1155 रन पेज 7

फेक वीडियो व झूठ से जनता को गुमराह कर रही है कांग्रेस : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने पत्रकारों से सत्यता सामने लाने का किया आग्रह

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन की भाजपा के खिलाफ संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने संबंधी भ्रामक बयानबाजी करने और फेक खबरों को प्रसारित करने का आरोप लगाकर जमकर हमला बोला। उन्होंने फेक वीडियो के माध्यम से जनता को गुमराह करने के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। केंद्रीय मंत्री शाह मंगलवार को गुवाहाटी स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के समक्ष कांग्रेस के फैलाए जा रहे झूठे और उनके दिए गए मूल वक्तव्य का असली वीडियो भी प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के उनका फेक वीडियो प्रसारित करने पर कहा कि कांग्रेस ने मेरा फेक वीडियो प्रसारित करने का कृत्य उनकी हताशा और निराशा का द्योतक है। कांग्रेस फेक वीडियो से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि चुनाव के दो चरणों में भाजपा के आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार पार्टी व सहयोगी दल मिलकर 100 से अधिक सीटों पर विजयी होने जा रही है। जनता के आशीर्वाद और समर्थन से एनडीए अपने चार सौ के पार के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि असम, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड में भाजपा को बहुत बड़ी चुनावी सफलता मिलती दिखाई दे रही है। एनडीए को दक्षिण भारत से भी को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि कांग्रेस एनडीए के चार सौ पार के लक्ष्य को संविधान बदलने का लक्ष्य बता कर दुष्प्रचार कर रही है। कांग्रेस जनता में अफवाह फैला रही है कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण को समाप्त कर -शेष पृष्ठ दो पर

देश में यूसीसी लागू होगा और उसे कोई नहीं रोक सकता : सीएम डॉ. शर्मा

गुवाहाटी /नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार में लगे असम के मुख्यमंत्री ने हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस और उसके मैनिफेस्टो, फेक वीडियो, यूसीसी, सीएए समते कई अन्य मुद्दों पर टिप्पणी की। इसके अलावा उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम मोदी देश को विश्व गुरु बनाने जा रहा हैं। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा का अपना 370 और एनडीए का 400 पर का टारगेट है। हम उसी की ओर बढ़ रहे हैं। पहले दो चरण का हमारा जो इंटरनल असेसमेंट है वह बहुत ही संतोषजनक है। उन्होंने राहुल गांधी पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कहा है कि वो प्रॉपर्टी टैक्स लाएंगे, सैम पित्रोदा ने कहा इन्हेरिटेंस टैक्स लगाएंगे और पर्सनल लॉ को बरकरार रखेंगे, यानी की वो यूसीसी नहीं लाएंगे। सीएम ने कहा कि पीएम साहब ने जब इन मुद्दों को उठाया तो कांग्रेस नर्वस हो गई और बौखलाहट में इतना गिर गई कि देश के गृहमंत्री का वीडियो फेक बनाने लगी। हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह का भी एक फेक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसपर भी उन्होंने टिप्पणी -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव से पहले ही केजरीवाल को गिरफ्तार क्यों किया ? एससी ने मांगा ईडी से जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया है। आम चुनाव से पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को होने की संभावना है। बता दें कि शराब नीति घोटाला मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी द्वारा हुई अपनी गिरफ्तारी को लेकर केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने अतिरिक्त -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार से पूछा–

डिटेंशन सेंटर में कितने लोग बंद और उनको क्या-क्या सुविधाएं मिल रही हैं ?

नई दिल्ली। यह देखते हुए कि कई विदेशी नागरिक वर्षों से हिरासत केंद्रों में बंद हैं, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को असम के राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण से दो साल से अधिक समय से हिरासत में लिए गए विदेशियों के बारे में उसे अवगत कराने को कहा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कानूनी सेवा प्राधिकरण को विदेशियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का पता लगाने के लिए हिरासत केंद्रों का दौरा करने के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

कोलकाता पुलिस को मिली राजभवन और इंडियन म्यूजियम को उड़ाने की धमकी

कोलकाता (हि.स.)। महानगर कोलकाता के ऐतिहासिक राजभवन और इंडियन म्यूजियम को बम धमाके में उड़ाने की धमकी कोलकाता पुलिस को मिली है। इसे लेकर लाल बाजार स्थित पुलिस मुख्यालय ने जांच शुरू कर दी है। धमकी भरे मेल के बाद एयरपोर्ट और इंडियन म्यूजियम में एहतियातन पड़ताल किया गया है। हालांकि कुछ भी संदिग्ध मिला नहीं है। कोलकाता पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि ईमेल के जरिए एक धमकी मिली है जिसमें राजभवन और इंडियन म्यूजियम को उड़ाने की धमकी दी -शेष पृष्ठ दो पर

निर्वस्त्र महिलाओं के वीडियो मामले में सीबीआई का चौंकाने वाला खुलासा, पुलिसकर्मियों पर लगे गंभीर आरोप

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं की नग्न परेड के मामले में सीबीआई ने बड़ा खुलासा किया है। सीबीआई ने चार्जशीट में कहा कि कुकी-जोमी समुदाय की दोनों महिलाएं तो अपनी जान बचाने के लिए मणिपुर पुलिस की शरण में आई थीं, लेकिन पुलिस दोनों महिलाओं को मैती समुदाय के दंगाइयों की भीड़ के पास ले गई। यहां पहले तो भीड़ ने उन्हें नग्न किया फिर पूरे गांव में उनकी परेड कराई, जिसका वीडियो भी घटना के दो माह बाद सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। चार्जशीट में सीबीआई ने बताया कि दोनों महिलाओं ने पुलिस से उनकी आधिकारिक जिप्सी के पास मदद मांगी थी। उन्होंने अनुरोध किया था कि वे उन्हें किसी सुरक्षित स्थान पर लेकर जाएं लेकिन पुलिस ने कहा कि उनके पास गाड़ी की चाबी नहीं है। सीबीआई ने हुइरेम हेरोदास मैतेई के साथ-साथ अन्य पांच लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। सीबीआई ने मामले में एक किशोर के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज की है। हुइरेम को पुलिस ने जुलाई में ही गिरफ्तार कर लिया था। खास बात यह है कि उन दोनों महिलाओं में से एक महिला का पति ने असम रेजिमेंट में सूबेदार के रूप में सेवा दी थी, लेकिन कारिगल के युद्ध में वे वीरगति को प्राप्त हो गए। यह घटना मणिपुर की राजधानी इंफाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर कांगपोकपी जिले के गांव बी. फीनोम की है। ग्राम प्रधान -शेष पृष्ठ दो पर

इंडियन नेवी के नए चीफ बने दिनेश कुमार त्रिपाठी

नई दिल्ली। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नौसेना के 26वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय नौसेना को समुद्र में संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय अभियान की दृष्टि से तैयार रहना होगा। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ एडमिरल त्रिपाठी ने आर हरि कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। एडमिरल हरि कुमार चार दशकों के शानदार कॅरियर के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने ऐसे समय में नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली है जब लाल सागर और अदन की खाड़ी समेत अनेक रणनीतिक जलमार्गों पर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हुई हैं जिनमें क्षेत्र में हूती उग्रवादियों द्वारा विभिन्न कारोबारी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मूर्ख लोग कार्यों के मध्य कठिनाई उत्पन्न होने पर दोष ही निकाला करते हैं।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

सिसोदिया को फिर से झटका, नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मंगलवार को अधीनस्थ अदालत द्वारा आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामलों में जमानत अर्जी खारिज किए जाने के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख करेंगे। आम आदमी पार्टी (आप) ने यह जानकारी -शेष पृष्ठ दो पर

बंदूकधारी ने शिया मस्जिद में घुसकर छह नमाजियों की ली जान

काबुल। पश्चिमी अफगानिस्तान में एक बंदूकधारी ने एक मस्जिद में घुसकर गोलीबारी शुरू कर दी जिससे वहां नमाज पढ़ रहे छह लोगों की मौत हो गई। तालिबान के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया ने खबर दी है और अफगानिस्तान के एक पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि इस मस्जिद को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि यह अल्पसंख्यक शिया समुदाय की है। तालिबान शासित गृह मंत्रालय -शेष पृष्ठ दो पर

अब भारत की सीमा पर आंख उठाकर देखने की हिम्मत किसी में नहीं : पीएम मोदी

मुंबई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लातुर में कहा कि भ्रष्टाचारियों और आतंकवादियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। कांग्रेस के राज में अखबारों में भ्रष्टाचार और आतंकवाद की खबरें रहा करती थीं, जबकि अब अखबारों में भ्रष्टाचारियों के पकड़े जाने की खबरें रहती हैं। उन्होंने कहा कि अब भारत में घर में घुसकर मारने की ताकत है, इसलिए भारत की सीमा पर आंख उठाकर देखने हिम्मत किसी में नहीं है। पीएम मोदी लातुर में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित प्रचार सभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले के दिनों को याद करें। कई जगहों पर लिखा होता था कि अपरिचित वस्तुओं को न छूएं, क्योंकि हर जगह बम धमाके हो रहे थे लेकिन आज किसी की हिम्मत -शेष पृष्ठ दो पर

उबर ने पूरे पाकिस्तान में बंद की अपनी सर्विस

पाकिस्तान। स्थानीय कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच, ऑनलाइन टैक्सी बुकिंग की सुविधा देने वाली वैश्विक कंपनी उबर ने पाकिस्तान में सभी परिचालन बंद कर दिए हैं। एक प्रवक्ता ने मंगलवार को इस बात की पुष्टि की। इससे पहले उबर ने 2022 में कुछ प्रमुख शहरों में अपनी सेवाएं बंद की थीं। एक प्रवक्ता ने कहा कि हमारा अनुषंगी ब्रांड *करीम* पूरे पाकिस्तान में टैक्सी सेवाएं प्रदान करना जारी रखेगा। उबर ने 2019 में अपने -शेष पृष्ठ दो पर

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली समेत 10 नक्सली ढेर

नारायणपुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में मंगलवार सुबह हुई चार घंटे की मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर चलाए गए तलाशी अभियान में तीन महिला नक्सली समेत 10 नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इसके साथ ही एके 47, इंसास राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद की बरामदगी हुई है। बस्तर आईजी सुदद्राज पी. ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों के शव बरामद होने की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं। आज सुबह करीब छह बजे ग्राम टेकमेटा एवं -शेष पृष्ठ दो पर

कोविशील्ड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स पर बोले विशेषज्ञ

घबराएं नहीं, इसके लाभ अधिक और नुकसान नगण्य

नई दिल्ली (हि.स.)। कोविशील्ड वैक्सीन साइड इफेक्ट्स को लेकर एक बार फिर चर्चा में है। यूके की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने पहली बार लंदन के कोर्ट में स्वीकार किया है कि उसकी कोरोना वायरस के खिलाफ लगने वाली वैक्सीन से दुर्लभ मामलों में गंभीर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वैक्सीन के फायदे अधिक और नुकसान बेहद कम हैं, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा हो हल्ला मचाने की भी आवश्यकता नहीं है। अखिल भारतीय आयुविज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रोफेसर डॉ. संजय राय ने बताया कि इस विवाद में पड़ने की कोई आवश्यकता नहीं है। किसी भी दवाई के साइड इफेक्ट्स होते हैं, लेकिन उसके लाभ ज्यादा और नुकसान बेहद कम होते हैं। इसलिए इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आईएमए के पूर्व महासचिव डॉ. नरेंद्र सैनी बताते हैं कि सभी दवाइयों के साइड इफेक्ट होते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम सभी दवाएं लेना बंद कर दें। कोविशील्ड ने उस समय कोरोना से बचाव में काम किया, तो कुछ साइड इफेक्ट्स भी सामने आए हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

हम महिलाओं को बनाएंगे लखपति हर महीने मिलेंगे 8500 रुपए : राहुल

भोपाल (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने मनरेगा लागू की तो कहा गया कि गरीबों की आदत बिगाड़ रहे हैं। मोदी जी अरबपतियों को पैसा देते हैं तो कहते हैं विकास हो रहा है। जितना उन्होंने 10 साल में उनको दिया, हम आपको देने जा रहे हैं। महालक्ष्मी योजना के तहत हर गरीब परिवार की लिस्ट बनेगी। हर परिवार से एक महिला का नाम चुना जाएगा। साल में एक लाख रुपए दिए जाएंगे। हर महीने 8500 रुपए एक तारीख को सरकार आपके खाते में डालेगी। राहुल गांधी मंगलवार को मध्य प्रदेश के भिंड लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार फूल सिंह बरैया के समर्थन में एमजेएस मैदान पर चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में आप बाहर जाते काम करते हो, हिंदुस्तान में महिलाएं भी मजदूरी करती हैं, जॉब करती हैं। महिलाएं आठ घंटे बाहर तो आठ घंटे घर में भी काम करती हैं। इंडिया गठबंधन की सरकार घर में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

खालिस्तानियों को लेकर एक्शन में अमेरिकी सरकार, दस के खिलाफ लुकआउट नोटिस

वाशिंगटन। पिछले साल मार्च में सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हुए खालिस्तान समर्थकों के हमले को लेकर अब अमेरिकी सरकार एक्शन में आ गई है। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) दूतावास हमले में शामिल 10 आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में है। लुकआउट नोटिस यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिकी एजेंसियां सक्रिय रूप से हमले में शामिल 10 आरोपियों को हिरासत में लेगी। इससे अमेरिकी अधिकारियों और बाद में भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा उनसे पूछताछ, पहचान और गिरफ्तारी की तैयारी की जाएगी। गौरतलब है कि भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला 18 और 19 मार्च 2023 की मध्यरात्रि को हुआ था। जब कुछ कथित खालिस्तान समर्थकों ने अवैध रूप से वाणिज्य दूतावास में प्रवेश किया और आग लगाने का प्रयास किया। दूतावास की इमारत को क्षतिग्रस्त कर दिया और दूतावास के अधिकारियों को घायल कर दिया था। इसके अलावा, 18 जून 2023 को कनाडा के सुरीं में अलगाववादी खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद 1 और 2 जुलाई 2023 की मध्यरात्रि में कुछ आरोपी फिर से वाणिज्य दूतावास में घुस गए और उसे जलाने की कोशिश की थी। खालिस्तानी समर्थकों के लेकर अमेरिका जांच एजेंसियों के रुख में बड़ा बदलाव आया है। एफबीआई के सूत्रों ने बताया कि अमेरिका में भारतीय दूतावास पर हमले में शामिल खालिस्तानी संगठनों को अब प्रदर्शनकारी नहीं माना जाएगा, बल्कि इन्हें अपराधी मानते हुए कार्रवाई की जाएगी। एफबीआई कथित तौर पर ऐसे समूहों के खिलाफ आपराधिक कानूनों के अनुसार कार्रवाई की योजना बना रही है और उसने कई लोगों के नाम भी तय कर लिए हैं। इससे पहले, ऐसे खालिस्तानी समर्थक संगठनों की गतिविधियों को अमेरिका के द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में रखा जाता था।

सांसद प्रज्वल रेवन्ना जेडीएस से किए गए निलंबित

नई दिल्ली। जनता दल सेक्युलर (जदएस) ने कथित *सेक्स स्कैंडल* में संलिप्तता के लिए हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना को मंगलवार को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। हुबल्ली में पार्टी की कोर समिति ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा से रेवन्ना के निलंबन की सिफारिश की थी, जिसके चंद मिनटों बाद ही हासन के सांसद को निलंबित कर दिया गया। देवेगौड़ा, रेवन्ना के दादा हैं। निलंबन आदेश में कहा गया है कि हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के कथित उत्पीड़न के वीडियो सोशल मीडिया और मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित हो रहे हैं, जिसके चलते पार्टी और आलाकमान को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। मामले की जांच के लिए कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा विशेष जांच दल गठित किए जाने का जिक्र करते हुए आदेश में कहा गया है कि मामले को देखते हुए और जदएस के संविधान एवं नियमों के अनुसार, प्रज्वल रेवन्ना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पार्टी महासचिव के आर शिवकुमार द्वारा हस्ताक्षरित निलंबन आदेश जदएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मंजूरी के बाद मीडिया में जारी किया गया। कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े वीडियो क्लिप लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के एक दिन बाद सोशल मीडिया पर सामने आए। इस घोटाले में सैकड़ों स्पष्ट वीडियो शामिल हैं जिन्हें कथित तौर पर सांसद द्वारा शूट किया गया था और हसन निर्वाचन क्षेत्र में व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था। इसके बाद एक महिला ने प्रज्वल रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ पुलिस मामला दर्ज कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि 2019 से 2022 के बीच कई बार उनका यौन शोषण किया गया। शिकायतकर्ता रेवन्ना की पूर्व घरेलू सहायिका ने यह भी दावा किया कि प्रज्वल रेवन्ना ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और वीडियो कॉल पर उनकी बेटी के साथ भी दुर्व्यवहार किया। महिला ने आरोप लगाया कि प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना ने भी उस समय उसका यौन उत्पीड़न किया जब उसकी पत्नी घर पर नहीं थी।

भड़काऊ भाषण मामले में सलमान खुर्शीद और उनकी भतीजी पर मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद (हि.स.)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद और उनकी भतीजी मारिया आलम के विरुद्ध भड़काऊ भाषण देने पर लोक प्रतिनिधित्व की धारा और आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। मारिया ने अल्पसंख्यक वर्ग को गठबंधन उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की अपील की थी और वोट जेहाद शब्द का प्रयोग किया था। उड़नदस्ता मजिस्ट्रेट मनोज शर्मा ने कायमगंज कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि कस्बा कायमगंज के मोहल्ला चिलाका थाना क्षेत्र कायमगंज में पूर्व विदेश मंत्री व कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद तथा उनकी भतीजी मारिया आलम खां सपा नेत्री ने चुनावी जनसभा चिलाका 29 अप्रैल की शाम समुदाय विशेष के समक्ष अल्पसंख्यकों को जेहादी बन सपा प्रत्याशी पक्ष में मतदान करने के लिए ध्रुवीकृत भाषण दिया। जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। पुलिस ने कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद व मारिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसपी विकास कुमार ने बताया कि उड़नदस्ता मजिस्ट्रेट की तहरीर पर दर्ज की गई रिपोर्ट की विवेचना शुरू कर दी गई है। दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक से 20 मवेशी बरामद तीन लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। जोराबाट पुलिस की एक टीम ने तलाशी अभियान चलाकर 20 मवेशियों को लेकर जा रहे एक ट्रक को जब्त कर लिया। साथ ही पुलिस ने चालक समेत तीन पशु तस्करों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जोराबाट पुलिस चौकी इलाके के असम-मेघालय सीमावर्ती पर जोराबाट तीनाली के निकट चलाए गए तलाशी के दौरान एक ट्रक (एएस-01केसी- 9657) को जब्त किया गया। जब्त किए वाहन में अवैध तरीके से 20 मशियों की मेघालय के पशु बाजार तक तस्करी की जा रही थी। इस मामले में वाहन के चालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान फूलचंद खान, जहीदुल इस्लाम और बासेर अली के रूप में की गई है। बरामद सभी पशुओं को बड़े ही क्रूर तरीके से लाया जा रहा था।

बंगाल में अवैध घुसपैठियों को ममता का संरक्षण : अमित शाह

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि निमंत्रण के बावजूद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अयोध्या में राममंदिर उद्घाटन में शामिल होने से इनकार कर दिया। वह राज्य में अवैध घुसपैठियों को नाराज नहीं करना चाहती थीं। पूर्वी बर्दवान जिले के कटवा में रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के संरक्षण में बंगाल में घुसपैठियों ने आतंक का राज कायम किया है। इससे भाजपा ही बंगाल के लोगों को निजात दिलाएगी। ममता बनर्जी अवैध घुसपैठियों के बीच अपने वोटबैंक को खुश करने के लिए सीएए का विरोध कर रही हैं। संदेशखाली में एक ऐसे अवैध घुसपैठिए ने आतंक का राज कायम कर दिया था, जहां महिलाओं को भी उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा। जिस राज्य में महिला मुख्यमंत्री हो वहां ऐसी चीजें होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कई भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। आज मैं वादा करता हूं कि पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता में आने पर हत्यारों को कड़ी सजा दी जाएगी।

मुसलमान के दुश्मन हैं अखिल और लुरिन ज्योति : अजमल

धुबड़ी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख निवर्तमान सांसद तथा धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कहा है कि अखिल गोगोई और लुरिन ज्योति गोगोई मुसलमानों के एक नंबर दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि तीन गोगोई मिलकर जितना ही उनके खिलाफ प्रचार करेंगे, उनका वोट उतना ही अधिक बढ़ेगा। अजमल ने कहा कि डी वोटर और एनआरसी के जरिए मुसलमानों को परेशान करने के पीछे यही लोग हैं। वहीं, अजमल ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन रुपए की वसूली करने के लिए धुबड़ी से चुनाव लड़ने आए हैं। अजमल मंगलवार को यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उल्लेखनीय की अखिल गोगोई तथा लुरिन ज्योति गोगोई कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन के समर्थन में धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र में लगातार चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों में बदरुद्दीन अजमल के खिलाफ जमकर भड़ास निकाला जा रहा है।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक विशेष अभियान चला कर हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर हाथीगांव थानाक्षेत्र के तहत दक्षिणगांव के साओकुची में आज अभियान चलाया गया। अभियान में दो ड्रग्स तस्करों को पकड़ा गया। अभियान के दौरान एक साबुनदानी में 12.5 ग्राम संदिग्ध हेरोइन, नकद 30 हजार 200 रुपए, दो मोबाइल फोन और एक बजाज पल्सर (एएस 15 यू 9994) बाइक बरामद किया गया। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान बबिदुल हक (26) और नूर मोहम्मद (24) के रूप में हुई है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

पृष्ठ एक का शेष

फेक वीडियो व ...

देगी। यह दोनों बातें निराधार और तथ्यहीन हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा 10 वर्ष से पूर्ण बहुमत की सरकार चला रही है, लेकिन इसका दुरुपयोग कांग्रेस की तरह आपातकाल लगाने और लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाने के लिए नहीं किया। भाजपा ने पूर्ण बहुमत का उपयोग अनुच्छेद 370, तीन तलाक समाप्त करने, अंग्रेजों के कानून बदलकर भारतीय पद्धति के कानून लाने में, कोरोना से लड़ने में और प्रभु श्रीराम के मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए किया है। कांग्रेस पार्टी झूठ फैलाकर जनता के बीच भ्रांति पैदा करना चाहती है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने पहले तो संयुक्त आंध्र प्रदेश में एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में कटौती कर वर्ग विशेष को धर्म के आधार पर आरक्षण दिया और फिर कर्नाटक में पूरे मुस्लिम समुदाय की गिनती पिछड़े वर्ग में कर उनके लिए चार प्रतिशत आरक्षण तय कर दिया। भाजपा का मानना है कि धर्म आधारित आरक्षण गैर संवैधानिक है। शाह ने कहा कि संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से निवेदनार्थ कहा कि पत्रकारों को जनता तक सत्य पहुंचाना होगा और जनता को गुमराह होने से बचाना होगा। देश की जनता को भ्रमित करने का प्रयास करने वाले इन दलों को फेक वीडियो प्रसारित करने और भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र को तोड़ मरोड़ कर पेश करने की बजाय अपने सिद्धातों, कार्यों और घोषणापत्र के आधार पर चुनाव लड़ना चाहिए।

देश में यूसीसी...

करते हुए कहा कि ये वीडियो एक घृणित अपराध है। जो भी इसके पीछे है उसे कठोर सजा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि असम में एक शख्स ने इस वीडियो को सर्कुलेट किया था उसको हमने अरेस्ट किया है। उसके पास ये वीडियो कहां से आया इसका एक लिंक स्टैबलिश होगा। असम पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया है। सीएम ने आगे कहा कि देश के संविधान निर्माता ने नेहरू से लेकर पटेल तक यह लिखा कि जब भी अनुकूल वातावरण आएगा तो देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड आएगा। हिंदू का तो कोई पर्सनल लॉ है नहीं। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि इसमें तो कोई शक नहीं है कि देश में यूसीसी लागू हो जाएगा। राम मंदिर का मामला था वह हो गया। धारा 370 का मामला था वह भी हो गया। अब आगे एक यूसीसी का मामला है उसको भी लागू कर दिया जाएगा, कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि सीएए का रूल हमने नोटिफाई कर दिया है। चुनाव के बाद इसका इंप्लीमेंटेशन होना शुरू होगा। राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि वो हमेशा कहते हैं कि पीएम डर गए, लेकिन पीएम मोदी देश को विश्व गुरु बनाने जा रहा है।

चुनाव से पहले ही ...

सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय के सवाल पर जवाब मांगा है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि जीवन और स्वतंत्रता बेहद महत्वपूर्ण हैं। आप इससे इनकार नहीं कर सकते। पीठ ने राजू से कई अन्य सवाल पूछे। बता दें कि 21 मार्च को गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल फिलहाल न्यायिक हिरासत के तहत यहां तिहाड़ जेल में बंद हैं। शीर्ष अदालत ने 15 अप्रैल को ईडी को नोटिस जारी किया और केजरीवाल की याचिका पर उससे जवाब मांगा है। केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी अपना पक्ष रख रहे है।

कोलकाता पुलिस को...

गई है। हालांकि यह केवल अफवाह भर है। दोनों जगहों पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है लेकिन सतर्कता बढ़ा दी गई है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले पिछले शुक्रवार को कोलकाता हवाई अड्डे को उड़ाने की धमकी मिली थी जिसके बाद गहन तलाशी ली गई थी। एयरपोर्ट की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई थी। इसके बाद फिर एक दिन पहले सोमवार को भी एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल आया था। अब मंगलवार को राजभवन तथा इंडियन म्यूजियम को उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस ने ईमेल का आईपी एड्रेस निकाल कर उसे ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

निर्वस्त्र महिलाओं के...

द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, चार मई को शाम लगभग तीन बजे 900-1000 की संख्या में कई संगठनों से जुड़े लोग बी. फीनोम गांव में जबरदस्ती घुस आए। इनके पास एके-47 राइफल्स, एसएल.आर इंसास और 303 राइफल्स जैसे अत्याधुनिक हथियार थे। हिंसक भीड़ ने सभी घरों में तोड़फोड़ की और फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, बर्तन, कपड़े, अनाज सहित नकदी को लूटने के बाद सभी चल संपत्तियों को आग के हवाले कर दिया। इसके अलावा पांच ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए जंगल की ओर भाग गए। बाद में उन्हें नॉनपाक सेकमाई पुलिस टीम द्वारा बचाया गया और वे नोंगनोक सेकमाई थाने के रास्ते में थे। इस बीच उन्हें रास्ते में भीड़ ने रोक दिया और नोंगपोक सेकमाई थाने से लगभग दो किलोमीटर दूर और 33 एआर सोमरेई चौकी से लगभग तीन किलोमीटर दूर भीड़ ने उन्हें पुलिस टीम की सुरक्षा से छीन लिया। इसके अलावा एक 56 साल के व्यक्ति की घटनास्थल पर ही हत्या कर दी गई। प्रधान ने बताया कि इसी दौरान भीड़ द्वारा तीन महिलाओं को उनके कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया और भीड़ के सामने निर्वस्त्र कर दिया गया। घटना से जुड़े वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पुरुष असहाय महिलाओं के साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहे हैं, जो रो रही हैं और उनसे छोड़ने की गुहार लगा रही हैं। हैवानियत यहीं सीमित नहीं रही, एक 21 साल की लड़की का दिन दहाड़े बेरहमी से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। जब 19 वर्षीय छोटे भाई ने अपनी बहन की अस्मिता और जान बचाने की कोशिश की, तो भीड़ में शामिल लोगों ने उसकी मौके पर ही हत्या कर दी। हालांकि, पीड़िता कुछ लोगों की मदद से मौके से भागने में सफल रहीं। इसका वीडियो 19 जुलाई को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पूरे देश में सनसनी मच गई। प्रधानमंत्री ने संसद सत्र शुरू होने से पहले मीडिया के सामने इस घटना की निंदा की। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र और राज्य सरकार को कड़ी चेतावनी दी। कहा कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं होती है तो कोर्ट खुद कदम उठाएगा। विपक्ष संसद के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मुद्दे पर बयान देने के लिए मांग कर रहे हैं।

अब भारत की ...

नहीं है कि भारत की सीमा पर आंख उठाकर देख सके। उन्होंने कहा कि आज भारत घर में घुसकर मारता है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के दिनों में अखबारों में हर दिन नए भ्रष्टाचार की खबरें आती थीं। आज देश में कितने भ्रष्टाचारियों के घर पकड़े गए इसकी खबर मिल रही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने इस देश को लूटा है, उन्हें इसे देश को वापस लौटाना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को टुकड़ों में देखने वाले लोग देश को लूटना चाह रहे हैं। कांग्रेस ने देश को लूटने की बड़ी योजना बनाई है। कांग्रेस आपकी संपत्ति हड़पने की कोशिश कर रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के परिवारों ने अपने बच्चों के लिए देश में बहुत कुछ लूटा है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले के दमनकारी नियम बदल रहे हैं। देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। मोदी ने कहा है कि 2029 में राष्ट्रीय ओलंपिक भारत में आयोजित करना उनका सपना है। उन्होंने कहा है कि देश के संविधान को कोई नहीं बदल सकता लेकिन विपक्ष इसका अपप्रचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि लोगों को कांग्रेस से सावधान रहना चाहिए। कांग्रेस ने एसटी, ओबीसी वंचित लोगों को आगे नहीं आने दिया। मोदी सरकार के दस वर्षों में करोड़ों नागरिकों का जीवन बदल गया है। लातूर कई वर्षों से पानी की कमी से जूझ रहा है लेकिन कांग्रेस ने कभी इसका समाधान नहीं किया।

उबर ने पूरे ...

प्रतिस्पर्धी करीम का 3.1 अरब अमेरिकी डॉलर में अधिग्रहण किया था। उस समय दोनों कंपनियों ने कहा था कि वे अपनी-अपनी क्षेत्रीय सेवाओं और स्वतंत्र ब्रांडों का संचालन जारी रखेंगी। उबर ने 2022 में कराची, मुल्तान, फैसलाबाद, पेशावर और इस्लामाबाद में परिचालन बंद कर दिया था। कंपनी ने कहा कि जिन उबर उपयोगकर्ताओं के खातों में शेष राशि है, वे नियत समय में अपनी राशि वापस पा सकते हैं और उन्हें करीम की मुफ्त सेवाएं भी मिलेंगी।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में ...

काकूर के मध्य जंगल में डीआरजी एवं एसटीएफ जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ जो लगभग चार घंटे चली। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल पर चलाए गए तलाशी अभियान में नक्सलियों के शव और हथियार मिले हैं। इसस पहले पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के ग्राम टेकामेटा इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों के बड़े कैडर की मौजूदगी है। सूचना के आधार पर सोमवार देर रात डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम को सर्चिंग अभियान के लिए रवाना किया गया था। जवान मंगलवार की सुबह जब टेकमेटा एवं काकूर के मध्य जंगल में पहुंचे तो यहां नक्सलियों ने उन्हें देखते ही फायर खोल दिया। जवानों ने जवाबी कार्यवाही में 02 महिला नक्सली सहित कुल 07 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मारे गए 07 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं, जिसकी शिनाख्त की जा रही है।

इंडियन नेवी के ...

जहाजों को निशाना बनाया जाना शामिल है। एडमिरल त्रिपाठी ने संवाददाताओं से कहा कि पिछले कुछ सालों में हमारी नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और भविष्य के लिहाज से तत्पर बल के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना को शांतिकाल में संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय परिचालन दृष्टि से तैयार रहना होगा और यदि कहा जाए तो समुद्र में तथा समुद्र से युद्ध जीतने के लिए तैयार रहना होगा। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि मेरा एकमात्र ध्यान और प्रयास इस दिशा में होगा। नौसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि आत्म-निर्भरता बढ़ाने के लिए नौसेना के जारी प्रयासों को बढ़ाने पर वह प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि मैं आत्म-निर्भरता की दिशा में, नई प्रौद्योगिकियों को पेश करने में और *विकसित भारत* के लिए हमारे सामूहिक प्रयासों की दिशा में राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनने में भारतीय नौसेना के चल रहे प्रयासों को भी मजबूत करूंगा। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि वह बल के मानव संसाधन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान देंगे। उन्होंने नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले राष्ट्रीय समर स्मारक पर देश के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें रायसीना हिल्स के साउथ ब्लॉक के प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना प्रमुख के रूप में प्रभार संभालने से पहले अपनी मां रजनी त्रिपाठी का आशीर्वाद लिया। रीवा के सैनिक स्कूल के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी इससे पहले नौसेना के उप प्रमुख का पद संभाल रहे थे। एडमिरल त्रिपाठी का जन्म 15 मई 1964 को हुआ था और एक जुलाई 1985 में वह भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। उनका करीब 39 वर्ष का लंबा और उत्कृष्ट कॅरियर रहा है। उन्होंने भारतीय नौसैन्य जहाज *विनाश, किर्च* और *त्रिशूल* की कमान भी संभाली है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खडकवासला के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी को अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) और नौसेना पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

घबराएं नहीं, इसके ...

लेकिन इसके फायदे अधिक हैं और नुकसान कम है। कोई भी वैक्सीन को बनाने में सालों लगते हैं। अमूमन करीब दस साल में जा कर वैक्सीन ट्रायल पूरे होते हैं, तब जाकर मार्केट में आती है लेकिन कोरोना काल ऐसा काल था, जहां लोगों की जान को देखते हुए वैक्सीन तैयार की गई और करोड़ों लोगों की जान बची। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स का पता चला है। अब चिकित्सक इस तरह से भी बीमार का इलाज करने में सक्षम होगा और आगे शोध किए जा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने कोविशील्ड के गंभीर साइड इफेक्ट्स में टीटीएसआई यानी थ्रोम्बोसिस के साथ थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम का जिक्र किया। कंपनी के कहा कि उसका टीका बहुत ही दुर्लभ मामलों में, टीटीएस का कारण बन सकता है। इस स्थिति में प्लेटलेट काउंट घटने और खून के थक्के जमने जैसी समस्याएं आ सकती हैं। भारत में इस वैक्सीन को कोविशील्ड के नाम से जानते हैं, जिसका भारत में निर्माण पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था।

हम महिलाओं को...

काम करने वाली इन महिलाओं को पैसा देने जा रही है। उन्होंने कहा कि 30 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं। हम छह महीने में आपके हवाले कर देंगे। अरबपतियों के बेटे अपने पिता की कंपनियों में अप्रेंटिसशिप करते हैं, उनको पैसा मिलता है। ये उनको कंपनी में डालने का मौका होता है। हमारी सरकार दुनिया की पहली सरकार होगी जो हर ग्रेजुएट को ये अधिकार देने जा रही है। आप सरकार से एक साल की गारंटी की नौकरी मांग सकते हो। उन्होंने कहा कि सेना में सबसे ज्यादा भिंड से जाते हैं। मोदी जी ने दो तरह के जवान बना दिए। एक को कैंटीन और अच्छी सैलरी मिलेगी। दूसरे जवान को अग्निवीर कहते हैं। आप सोचिए दो लोगों को युद्ध में भेज रहे हो, एक से कह रहे हो कि आपको कुछ हुआ तो हम आपके परिवार की रक्षा करेंगे और दूसरे जवान से कह रहे हैं, आपको कुछ हुआ तो कोई पेंशन और मदद नहीं मिलेगी। शहीद का दर्जा भी नहीं मिलेगा। मोदी जी ने सेना का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 22 लोग मित्र हैं। राम मंदिर के उद्घाटन में सारे वहां बैठे थे। आपने वहां किसी गरीब को देखा। वहां हजारों करोड़ वाले लोग थे। वहां, बॉलीवुड वाले थे, क्रिकेट टीम थी, मगर एक किसान नहीं दिखा। संसद का उद्घाटन हुआ। आदिवासी राष्ट्रपति को बुलाया ही नहीं जाता। उनसे कहा जाता है कि न तुम संसद के उद्घाटन में आओगे, न राम मंदिर के। राहुल गांधी ने कहा कि मीडिया किसानों और महंगाई की बात क्यों नहीं करती। गरीबों की बात नहीं करती। कहीं नहीं है। मैंने इनको आपका मित्र कहा लेकिन ये आपके मित्र नहीं हैं। 24 घंटे मोदी जी का चेहरा दिखेगा। मैं आपसे बात करूंगा, मीडिया नहीं दिखाएगा। उन्होंने कहा कि दो-तीन अरबपतियों को सारा का सारा धन दिया जाता है। किसान जानता है, हमारे जेब से पैसा निकालने की कोशिश हो रही है। मोदी कहते हैं आतंकवादी है। ये हालत है देश की। नोटबंदी की, गलत जीएसटी लागू की। आज हिंदुस्तान में 45 साल से सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। हर युवा ये बात जानता है। सबसे ज्यादा महंगाई आज है। उन्होंने हाथ में संविधान लेकर कहा कि यह मामूली किताब नहीं है। आजादी के पास किसानों, गरीबों, मजदूरों, पिछड़ों, आदिवासियों को जो भी कुछ मिला है, इस किताब के कारण मिला है। अब प्रधानमंत्री, अमित शाह और उनके सांसदों ने मन बना लिया है कि वो चुनाव जीतेंगे तो इस किताब को फाड़कर फेंक देंगे। कांग्रेस पार्टी, आईएनडीआईए गठबंधन संविधान को बचाने का काम कर रहा है। भिंड-दतिया लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार फूल सिंह बरैया का मुकाबला मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार संध्या राय से होगा। भिंड-दतिया लोकसभा सीट पर करीब 35 साल से भाजपा का कब्जा है। भिंड सीट पर तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होना है।

सिसोदिया को फिर...

दी। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सिसोदिया की जमानत अर्जी राउज एवेन्यू कोर्ट ने खारिज कर दी है। दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 बनाने और उसके क्रियान्वयन में कथित तौर पर की गई अनियमितता को लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) एवं प्रवर्तन निदेशालय ने क्रमश: भ्रष्टाचार एवं धनशोधन का मामला दर्ज किया है और सिसोदिया को आरोपी बनाया है। सिसोदिया ने इन मामलों में जमानत देने की अर्जी दी थी। विशेष न्यायधीश कावेरी बावेजा ने सिसोदिया को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि जमानत देने का यह सही समय नहीं है। सिसोदिया दिल्ली सरकार में आबकारी मंत्री थे और सीबीआई ने उन्हें पिछले साल 26 फरवरी को मामले में गिरफ्तार किया था। बाद में (अब रद्द हो चुकी) आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी ने उन्हें मार्च 2023 में गिरफ्तार किया था।

बंदूकधारी ने शिया ...

के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया कि यह हमला सोमवार रात को हेरात प्रांत के गुजरा जिले में हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि घटना की जांच की जा रही है। हमले में एक शख्स जख्मी भी हुआ है और बंदूकधारी मौके से फरार हो गया। किसी भी संगठन ने हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मस्जिद का इमाम भी मरने वाले लोगों में शामिल है। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर कहा कि मैं इमाम जमां मस्जिद पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैं इसे सभी धार्मिक और मानवीय स्तरों के खिलाफ आतंकवादी हमला मानता हूं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन ने भी हमले की निंदा करते हुए कहा कि घटना में एक बच्चे समेत सात लोग मरे और जख्मी हुए हैं। इस्लामिक स्टेट से जुड़े संगठन अफगानिस्तान में तालिबान के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी हैं। वे अक्सर स्कूल, अस्पताल, मस्जिदों और शिया बहुल इलाकों को निशाना बनाते हैं।

डिटेंशन सेंटर में ...

लिए एक टीम गठित करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि इस संबंध में एक रिपोर्ट 15 मई, 2024 तक प्रस्तुत की जाएगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार को वर्षों से हिरासत केंद्रों में बंद विदेशियों के मुद्दे पर कुछ कार्रवाई करनी होगी। पीठ ने कहा कि हम असम के राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण को विदेशियों के हिरासत केंद्रों का दौरा करने और वहां के रिकॉर्ड से यह पता लगाने का निर्देश देते हैं कि कितने विदेशियों को दो साल से अधिक की अवधि के लिए हिरासत में रखा गया है। विदेशियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का पता लगाने के लिए हिरासत केंद्रों का दौरा करने के लिए एक टीम का भी गठन करें। मामले की अगली सुनवाई 16 मई को निर्धारित की गई है। शीर्ष अदालत उन लोगों की रिहाई की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने राज्य के हिरासत केंद्रों में दो साल से अधिक समय पूरा कर लिया है।

मानव तस्कर गिरोह के चुंगल से पांच लोगों को बचाया गया

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया की ऊदियाना इलाके से मानव तस्कर गिरोह के चुंगल में फंसे पांच लोगों को स्थानीय लोगों ने बचाया। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को बताया कि मानव तस्कर का एक गिरोह महिला, पुरुष समेत पांच लोगों को एक घर में बंद कर रखा था। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने अभियान चलाकर ऊदियाना गांव के ताजू अली के घर से सभी पांच लोगों को सकुशल बरामद किया गया। बरामद किए गए सभी पांच लोगों ने बताया कि उन्हें रोजगार दिलाने के नाम पर अन्य राज्यों में कुछ लोग ले जा रहे थे। बचाए गए सभी लोग आर्थिक रूप से काफी कमजोर हैं, जिसकी वजह से उन्हें अन्य राज्य में ले जाया जा रहा था।

भाजपा शुरुआत से एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण की समर्थक : शाह

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शुरू से ही एसटी, एससी और ओबीसी आरक्षण की समर्थक है। भाजपा धर्म के आधार पर आरक्षण का कभी भी समर्थन नहीं करती। उन्होंने यह बात आज यहां प्रदेश भाजपा मुख्यालय (अटल बिहारी वाजपेयी भवन) में संवाददाता सम्मेलन में कही। इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता आदि मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि 400 पार के लक्ष्य के हम करीब पहुंच गए हैं। निश्चित ही 400 पार करेंगे। यह हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि उनके विरुद्ध फर्जी वीडियो जारी किया गया था। यह अब दूध का दूध, पानी का पानी हो गया है। कांग्रेस के मुख्यमंत्री और नेता इस मामले में आपराधिक मुकदमों का सामना कर रहे हैं। भाजपा नेताशाह ने कहा कि असम में कम से कम लोकसभा की 12 सीटें जीतेंगे। इसके अलावा एक या दो और सीटों की वृद्धि की संभावना है। उन्होंने कहा कि असम में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ा है। शाह ने अन्य कई मुद्दों पर खुलकर बातें रखीं।

चकमा मुद्दे पर चर्चा को बीच में आपसू ने किया बाधित

इटानगर (हिंस)। अखिल अरुणाचल प्रदेश छात्र संघ (आपसू) के सदस्यों ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा अरुणाचल प्रदेश में चकमा मुद्दे पर एक संवाद, एक लोकतांत्रिक समाधान की खोज विषय पर आयोजित संगोष्ठी को बाधित किया। आपसू महासचिव रितुम ताली ने कहा कि आपसू कई सालों से चकमा और हाजोंग मूद्दे पर लड़ाई लड़ रहा है और इस मुद्दे पर कोई आवाज उठाने से पहले आपसू के साथ परामर्श करना होगा। उन्होंने कहा कि आपसू से कोई बातचीत किए बिना आज प्रोफेसर नानि बात के नेतृत्व में इस विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि आपसू अपने अरुणचलियों के युवा पिढ़ी, भविष्य और अरुणाचल प्रदेश को बचने के लिए लड़ाई लड़ रहा है और इसके लिए हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। आपसू नेता ने कहा कि स मुद्दे पर छात्र संगठन अब तक तीन बार केंद्रीय मंत्री के साथ बैठक कर चुका है और हम इस मुद्दे पर ध्यान दे रहे हं। ऐसे में इस तरह के कार्यक्रम से समस्या हो सकती है और हमारे राज्य के युवंओ को गुमराह किया जा सकता है। महासचिव रितुम ताली ने कहा कि प्रोफेसर नानि बात ने कहा कि राजीव गांधी विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा अरुणाचल प्रदेश में चकमा मुद्दा जो कई सालों से लंबित है उस पर एक लोकतांत्रिक समाधान की खोज पर चर्चा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

दो भाइयों की आग में झुलसने से मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप जिले के गरैमारी के जहीरपुर में आग में झुलसने से दो भाइयों की मौत हो गई। खबरों के मुताबिक मृतक के घर आग अचानक रात्रि के 2 बजे के बाद लगी। मृत युवकों की पहचान साजन अली (20) और समेज अली (22) के रूप में हुई है। मृतकों की मां अंजुवारा बेगम आगजनी में गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों को संदेह है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी। यह दर्दनाक हादसा जहीरपुर गांव में बहादुर अली के घर पर हुई। घटना के घंटों बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। गरैमारी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों के शव बरामद किए। दोनों मृत युवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया गया है। घायल अंजुवारा बेगम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डिब्रूगढ़ से चुनाव हारेंगे सर्वानंद सोनोवाल : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने दावा किया है कि राज्य की डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल चुनाव हारेंगे। यहां से विपक्षी गठबंधन से असम जातीय परिषद के प्रत्याशी लुरिन ज्योति गोगोई भारी मतों से चुनाव जीतेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि ऊपरी असम की पांच सीटों में से एक भी सीट पर सत्तारूढ़ भाजपा के उम्मीदवार चुनाव नहीं जीतेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा में यदि हिम्मत है तो वह यह कहें कि यदि विपक्ष एक भी सीट जीतता है तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीपीआई चुनाव में सिलचर और बरपेटा दो सीटों की मांग कर रही थी। कांग्रेस द्वारा बरपेटा सीट छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं था, क्योंकि यहां से कांग्रेस के पांच विधायक, निवर्तमान सांसद होने के साथ ही जिला परिषद और पंचायत आदि में पार्टी बहुमत में है। उन्होंने कहा कि इस लिहाज से बरपेटा सीट छोड़ना कांग्रेस के लिए मुश्किल था। बोरा ने कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी नेता का बड़बोलापन शोभा नहीं देता है, क्योंकि जनता चुनाव में नेताओं को उनकी औकात बता देती है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम के साथ-साथ सब कुछ साफ हो जाएगा।

मणिपुर के छह मतदान केंद्रों पर 81.16 फीसदी वोटिंग

इंफाल (हिंस)। बाहरी मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के छह मतदान केंद्रों पर मंगलवार को हुए पुनर्मतदान के दौरान 81.16 फीसदी वोटिंग दर्ज किया गया। मणिपुर के मुख्य चुनाव अधिकारी ने मीडिया को बताया कि मतदान के दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से शाम चार बजे मतदान संपन्न हुआ। चार बजे मतदान समाप्त होने तक 81.16 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि इन केंद्रों पर पुनर्मतदान इसीलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि 26 अप्रैल को इन छह मतदान केंद्रों में से चार पर मतदान पूरा होने से पहले अज्ञात व्यक्तियों ने ईवीएम और वीवीपैट को क्षतिग्रस्त कर दिया था। वहीं, एक मतदान केंद्र पर ईवीएम में खराबी की सूचना मिली थी। जबकि, दूसरे पर अज्ञात लोगों द्वारा दी गई धमकी के कारण व्याप्त हुए भय के कारण मतदान पूरा नहीं हो सका था।

उखरुल विधानसभा क्षेत्र के चार मतदान केंद्रों, उखरुल में चिंगाई विधानसभा क्षेत्र और सेनापति के करोंग में एक-एक मतदान केंद्रों पर मतदान को निरस्त कर दिया गया था।

त्रिपुरा में भारी मात्रा में कफ सिरप और गांजा जब्त

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय सीमा शुल्क विभाग द्वारा भारी मात्रा में कफ सिरप और गांजा जब्त किया गया। त्रिपुरा पुलिस ने आज बताया कि पश्चिम त्रिपुरा जिले के रंगूटिया इलाके में छापा मारा गया और मादक पदार्थ जब्त किया गया। खुफिया जानकारी के आधार पर, बीएसएफ की 42वीं बटालियन और सिंगेरबिल स्थित सीमा शुल्क विभाग ने 25,127 फैंसैडिल कफ सिरप, 5,776 एस्कफ सिरप और ब्रैंग कफ सिरप की 223 बोतलें जब्त कीं। छापेमारी में 22 किलो गांजा भी जब्त किया गया। सूत्रों ने बताया कि जब्त मादक पदार्थों की कीमत करीब 62 लाख 42 हजार 185 रुपए है। बाद में मादक पदार्थ को सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया गया। इसी बीच, एक अन्य अभियान में, जीआरपी ने अगरतला रेलवे स्टेशन से 345 एस्कफ कफ सिरप की बोतलें जब्त कीं। अगरतला ट्रेन से दूसरे राज्यों में ले जाते समय कफ सिरप जब्त किया गया। इस मामले में चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

उल्लास महिला समिति का शीतल पेय जल वितरित

गुवाहाटी (विभास)। गर्मी का मौसम आते ही गर्मी का पारा दिन दिन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में भरी दुपहरी में राह चलते राहगीरों की हालात पानी के लिए बेहाल हो जाती है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए उल्लास महिला समिति ने भरी दुपहरी में छत्रीबाड़ी स्थित माहेश्वरी भवन और आठगांव स्थित मारवाड़ी हॉस्पिटल नीलकंठ शिवालय चौराहे पर हजारों राहगीरों को शीतल पेय पदार्थ और नींबू पानी का वितरण कर लोगों को गर्मी से राहत दिलाई। गौरतलब है कि लोगों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए उल्लास महिला समिति की सदस्याए स्वयं राहगीरो को पानी पिलाने के लिए धूप में दौड़ धूप कर रही थी। इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष चंद्रकांता घोड़ावत ने बताया कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए हमारा यह कार्यक्रम

आगे भी अलग-अलग क्षेत्र में चलता रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति की मंत्री मंजू दुग्गड़ कोषाध्यक्ष मंजू बेगवानी के अलावा प्रभा छाजेड़, प्रमिला सेठिया, गुलाब दुग्गड़, सुमन पुगलिया, उषा सुराणा, उर्मिला दुग्गड़, अमिता खटेड़, श्वेता सुराणा, राजू पुगलिया, पुखराज गोलछा के अलावा अन्य कई सदस्योंओ ने अपना सक्रिय सहयोग दिया।

नगरबेड़ा : भटीपाड़ा में तस्करी की लकड़ी समेत वाहन जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिले में रंगजुली वन रेंज अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से लकड़ियों की तस्करी धड़ल्ले से चल रही है। वन विभाग की टीम ने गोपन सूत्र को खदेड़कर तस्करी की लकड़ी से एक बोलेरो वाहन को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। ग्वालपाड़ा वन विभाग के अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दास के नेतृत्व में और शिमलिटोला ब्लॉक वन विभाग के सहयोग से रात में वन विभाग के अधिकारियों के एक समूह ने नवागत शिमलीटोला के भटीपाड़ा पर छापा मारा और तस्करी की लकड़ी से लदे एक वाहन को जब्त कर लिया। इसके अलावा, छापेमारी टीम ने वाहन के चालक सहित लकड़ी की तस्करी में शामिल होने के संदेह में तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उन्हें रंगजुली वन विभाग को सौंप दिया। तस्करी के जब्त किए गए शेड की अनुमानित लागत एक लाख रुपए होगी।

जंगली हाथी के झुंड से किसान परेशान

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के तुलबारी इलाके में जंगली हाथियों के उपद्रव से स्थानीय किसान काफी परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि तुलबारी इलाके में भूटान के पहाड़ों से जंगली हाथियों का एक झुंड प्रवेश कर फसलों को काफी नुकसान पहुंचा रहा है। किसानों ने बताया है कि भोजन की तलाश में आए जंगली हाथियों के झुंड को खदेड़ने के लिए वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची है। प्राप्त जानकारी तक जंगली हाथियों के झुंड को भूटान के पहाड़ों की ओर खदेड़ने की कोशिश जारी है। मिली जानकारी के अनुसार बढ़ती गर्मी के कारण जंगली जीव-जानवर हर बार जंगल छोड़ रिहायसी तथ गांवों में भोजन की तलाश में आ जाते हैं।

रंगिया महाविद्यालय में वसंत उत्सव का आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया महाविद्यालय छात्र संस्था और महाविद्यालय छात्र एकता सभा के सहयोग से मंगलवार को वसंत उत्सव का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित इस वसंतोत्सव का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ब्रजेंद्र सैकिया ने किया। सुबह 11.00 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ. ब्रजेंद्र सैकिया ने असमिया बापती साहोन रंगाली बिहू कृष्टि और संस्कृति पर प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने छात्र छात्राओं को इसके लिए उत्साहपूर्वक प्रेरित किया। इसके पश्चात महाविद्यालय के सौ से भी अधिक छात्र- छात्राओं ने संपूर्ण बिहू के साज में मुकाली बिहू नृत्य की प्रस्तुति दी। उसके बाद क्रमश: काव्यश्री डेका के आधुनिक नृत्य, भार्गव डेका के बिहू गीत, सोरोनिया कृष्टि नृत्य, सावताली नृत्य सहित दलीय नृत्य और कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ब्रजेंद्र सैकिया, उप-प्राचार्य डॉ. हेमेंद्र शर्मा, असमिया विभाग के अध्यापक डॉ. बिजुली चक्रवर्ती, महाविद्यालय के अध्यापक अध्यापिका, कर्मचारी और छात्र- छात्राएं उपस्थित होने की बात छात्र एकता सभा के महासचिव पराग ज्योति डेका द्वारा बताई गई है।

बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज के छात्र एकता समिति के महासचिव ने की खुदकुशी

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के नगरबेड़ा थाना क्षेत्र के नगरबेरा के खमेरी में आज एक कॉलेज छात्र ने आत्महत्या कर ली। यह पता चला है कि छात्र नगरबेड़ा में बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज की छात्र एकता समिति के महासचिव सलेम सल्लम और संबंधित पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत खमेरी गांव के अब्दुल कादर जिलानी का बेटा है। मिली जानकारी के अनुसार छात्र अपने पिता के साथ चाय पीकर सुबह अपने कमरे में गया था। कुछ देर बाद छात्र का शव उसके कमरे में मिला। खबर में अभी तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। नगरबेड़ा से पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमची

अस्पताल में भेज दिया गया है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

रंगिया मे आचार्य श्री 108 प्रमुखसागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश आज

रंगिया (विभास)। दिगंबर जैनाचार्य श्री 108 पुस्पदंतसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, राजकीय अतिथि आचार्य श्री 108 प्रमुख सागर जी महाराज ससंघ का रंगिया में 01 मई, बुधवार को भव्य मंगल प्रवेश होगा। श्री जैनाचार्य महाराज की आगवानी स्थानीय हरदत्त-बीरदत्त भवन से सुबह 8 बजे की जाएगी और गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा द्वारा उन्हें स्थानीय श्री दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में लाया जाएगा। मालूम हो कि जैनाचार्य ससंघ पूर्वोत्तर राज्यों के विहार करते हुए वर्तमान नलबाड़ी के जैन भवन में विराजमान है। जिन्हें रंगिया सकल दिगंबर जैन समाजबंधुओं ने नलबाड़ी पहुंचकर रंगिया आगमन के लिए निमंत्रण देते हुए श्रीफल भेंट किया। वहीं उन्होंने श्रीफल को स्वीकार करते हुए नलबाड़ी से बिहार कर 1 मई को रंगिया में मंगल प्रवेश करने का आश्वासन दिया। रंगिया श्री दिगंबर जैन मंदिर संचालन समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष कैलाशचंद काला एवं मंत्री राज पहाड़िया ने बताया है कि मुनि श्री ससंघ आगामी 6 मई तक मंदिर प्रांगण, रंगिया में विराजमान रहकर अपना मंगल प्रवचन एवं मंगल आशीष सभी भक्तगणों को देंगे। वहीं उन्होंने सभी समाज बंधुओं को अपने इस्टमित्रों के साथ मंगल प्रवेश सहित अन्य सभी कार्यक्रमों में शामिल रहकर पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त करने का अनुरोध किया है।

कामरूप जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत अभिनव पहल

भर्चुअल रियालिटी प्रौद्योगिकी के माध्यम से मतदान का अनुभव प्रदान

रंगिया (विभास)। कामरूप चुनाव जिला, जो 7 मई को होने वाले लोकसभा चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रहा है, ने आज भर्चुअल रियालिटी तकनीक का उपयोग करके मतदान अनुभव प्रदान करने के लिए एक और अभिनव कार्यक्रम आयोजित किया। वर्चुअल रियलिटी तकनीक का उपयोग करके युवा मतदाताओं को मतदान का अनुभव प्रदान करने के लिए आज कामरूप जिले के दक्षिण कामरूप महाविद्यालय में कार्यक्रम शुरू किया गया। वर्चुअल रियलिटी तकनीक के उपयोग के माध्यम से युवा मतदाताओं के बीच मतदान प्रक्रिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने की यह देश की पहली पहल है। यह कार्यक्रम आज व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनाव भागीदारी (एसवीईईपी) पहल के हिस्से के

रूप में कामरूप जिले के जिला आयुक्त और जिला चुनाव अधिकारी कीर्ति जल्ली द्वारा आयोजित किया गया। समारोह में बोलते हुए, कामरूप जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने कहा कि युवा मतदाताओं को मतदान के लिए आकर्षित करने और उन्हें मतदान प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए अत्याधुनिक भर्चुअल रियालिटी तकनीक का उपयोग करके मतदान का अनुभव प्रदान किया जाएगा। उन्होंने इस आयोजन को वास्तविक मतदान प्रक्रिया में भाग लेने से पहले युवा मतदाताओं के लिए एक ड्राई रन के रूप में वर्णित किया, यह देखते हुए कि इससे उन्हें मतदान केंद्र में प्रवेश करने से लेकर वोट डालने तक मतदान में शामिल हर कदम से अच्छी तरह से परिचित होने का अवसर मिलेगा। इससे युवा मतदाताओं के बीच मतदान प्रक्रिया के बारे में कोई भी संदेह दूर हो जाएगा। जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने भी सभी से आगामी 7 मई को बाहर आकर मतदान करने का आग्रह किया उल्लेखनीय है कि वर्चुअल रियलिटी सिस्टम मतदान केंद्र पर मतदान से संबंधित सभी पहलुओं को कवर करेगा जैसे कि मतदान केंद्र में प्रवेश करने पर पुरुषों या महिलाओं को लाइन में खड़ा होना, पहचान के प्रमाण के रूप में लाए गए दस्तावेजों को प्रस्तुत करना, सुरक्षा गार्डों को मतदान केंद्र में प्रवेश की अनुमति देना और इसका प्रमाण देना। मतदान अधिकारियों द्वारा मतदान का प्रमाण स्वरूप हाथ में चिन्ह प्रदान, भोटरशिप लेकर मतदान के लिए गोपनीय कक्ष में जाकर मतदान करना आदि मतदान के हर चरण का आभासी अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, इस प्रणाली को आईआईटी गुवाहाटी के डिजाइन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. केयू सोरथिया की सहायता से लागू किया गया है। आईआईटी गुवाहाटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कयूर सोरथिया ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, वर्चुअल रियलिटी आदि जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल हर क्षेत्र में किया जा रहा है, खासकर मतदान शिक्षा क्षेत्र में युवाओं को उत्साहित करने के लिए यह व्यवहार किया गया है। इस कार्यक्रम में बोको सर्कल अधिकारी (संलग्न) और कामरूप जिले के व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनाव भागीदारी सेल के अधिकारी सोमा रॉय और कामरूप जिले के विद्यालय निरीक्षक तपन कलिता भी उपस्थित थे।

संपादकीय

एक बार फिर 'ईवीएम' की जीत

सर्वोच्च न्यायालय ने मतदाता पर्ची से चुनाव कराने और इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट पर्ची की 100 प्रतिशत गिनती कराने से जुड़ी सभी याचिकाओं को रद्द कर दिया है। इसे ईवीएम की एक और जीत के तौर पर देखा जा सकता है। दरअसल, जब से कांग्रेस दुर्दशा को प्राप्त हुई है, तब से लगातार उसके नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग की स्पष्टता एवं खुली चुनौती के बाद भी कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं एवं निर्वाचन की पारदर्शी व्यवस्था के प्रति मतदाताओं के मन में संदेह पैदा करते रहे हैं। मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग ने वीवीपैट की व्यवस्था की। वीवीपैट की सहायता से मतदाता यह देख सकता है कि उसने जिस प्रत्याशी/दल के सामने का बटन दबाया, उसका मत उसी को मिला या नहीं। किसी प्रकार का संदेह नहीं रह जाए इसलिए चुनाव आयोग ने एक निश्चित प्रतिशत में वीवीपैट की पर्चियों के मिलान की व्यवस्था भी की है। परंतु इतना सब होने के बाद भी बार-बार हार का सामना करनेवाली कांग्रेस एवं विपक्षी पार्टियां सच स्वीकार करने और आत्मचिंतन करने को तैयार नहीं हैं। उन पर कहावत 'नाच न जाने, आंगन टेड़ा' सटीक लागू होती है। ईवीएम पर सवाल उठाने की अपेक्षा आवश्यक था कि कांग्रेस ईमानदारी से अपनी स्थिति का आकलन करे। अपनी नीतियों का मूल्यांकन करे। यह जानने की कोशिश करे कि आखिर मतदाताओं में कांग्रेस को लेकर इतनी नाराजगी क्यों है? ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों से केवल हार ही रही है। कई राज्यों में उसने इसी ईवीएम से हुए चुनावों के बाद बहुमत प्राप्त करके सरकार बनायी है। यदि ईवीएम में कोई दोष होता, तब वह इन राज्यों में कैसे चुनी जाती रही? विशेषकर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और हिमाचल में, जहाँ भाजपा को लोकसभा में एकतरफा जीत मिलती है। यदि ईवीएम को हैक किया जा सकता तब भाजपा अवश्य ही केरल सहित भारत के दक्षिणी हिस्से के कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर लेती। पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में जिस प्रकार का वातावरण बना था, उसके बाद भी वह हार गई। यह इसी बात का परिणाम है कि ईवीएम से निष्पक्षता से मतदान होता है। दरअसल, कांग्रेस के साथ दिक्कत यह है कि उसने ऐसे बुद्धिजीवियों का साथ ले रखा है, जो कागजों में उसके पक्ष में वातावरण बने होने का दावा करते हैं। जब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के आसपास ऐसा वातावरण रच दिया जाता है कि 'हम ही जीत रहे हैं', तब विपरीत परिणाम आने पर उन्हें कुछ सूझ ही नहीं पड़ता। या फिर यह भी हो सकता है कि कांग्रेस के नेता गरीब परिवार से आनेवाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीत को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं इसलिए उनकी विजय को संदिग्ध सिद्ध करने की कोशिश की जाती हैं। वर्ष 2014 के चुनाव में तो कांग्रेस के एक नेता ने कहा ही था कि 'एक चायवाला क्या देश चलाएगा। वह चाहे तो कांग्रेस के अधिवेशन में चाय का ठेला लगा सकता है। हम उसे स्थान दे देंगे'। बहरहाल, सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कर दिया है कि ईवीएम पर सवाल उठाना निरर्थक हैं। फिर से मतपत्रों से चुनाव कराने की पुरानी व्यवस्था में लौटना कतई बुद्धिमानी नहीं होगा। उस व्यवस्था को न्यायालय ने 'अव्यवस्था' ही माना है। स्मरण रहे कि यह 40वीं बार है, जबईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठानेवाली याचिकाओं को न्यायालयों ने खारिज किया है। इससे पहले विभिन्न न्यायालय भी इस तरह की बेतुकी याचिकाओं को रद्द कर चुके हैं। अच्छा होगा कि अब कांग्रेस सहित विभिन्न दल ईवीएम पर सवाल उठाकर अवैज्ञानिक सोच का विस्तार न करें।

> चुनाव आयोग की स्पष्टता एवं खुली चुनौती के बाद भी कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं एवं निर्वाचन की पारदर्शी व्यवस्था के प्रति मतदाताओं के मन में संदेह पैदा करते रहे हैं। मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग ने वीवीपैट की व्यवस्था की। वीवीपैट की सहायता से मतदाता यह देख सकता है कि उसने जिस प्रत्याशी/दल के सामने का बटन दबाया, उसका मत उसी को मिला या नहीं। किसी प्रकार का संदेह नहीं रह जाए इसलिए चुनाव आयोग ने एक निश्चित प्रतिशत में वीवीपैट की पर्चियों के मिलान की व्यवस्था भी की है। परंतु इतना सब होने के बाद भी बार-बार हार का सामना करनेवाली कांग्रेस एवं विपक्षी पार्टियां सच स्वीकार करने और आत्मचिंतन करने को तैयार नहीं हैं। उन पर कहावत 'नाच न जाने, आंगन टेड़ा' सटीक लागू होती है। ईवीएम पर सवाल उठाने की अपेक्षा आवश्यक था कि कांग्रेस ईमानदारी से अपनी स्थिति का आकलन करे। अपनी नीतियों का मूल्यांकन करे। यह जानने की कोशिश करे कि आखिर मतदाताओं में कांग्रेस को लेकर इतनी नाराजगी क्यों है? ऐसा भी नहीं है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों से केवल हार ही रही है। कई राज्यों में उसने इसी ईवीएम से हुए चुनावों के बाद बहुमत प्राप्त करके सरकार बनायी है।

आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक हो कर आ रही हैं

दुनिया को समझना होगा 'माता भूमि, पुत्रोह्म पृथिव्याः' का निहितार्थ

कुल भूषण उपमन्यु

> प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है।

आज प्लास्टिक, मिट्टी, पानी, और वायु का प्रदूषक बनता जा रहा है। जमीन पर पड़े हुए प्लास्टिक से धूप के कारण अपर्दन से टूटकर सूक्ष्म कण मिट्टी में मिल जाते हैं और मिट्टी के उपजाऊपन को नष्ट करने का काम करते हैं। पानी में मिल कर मछलियों के शरीर में पहुंच कर खाद्य शृंखला का भाग बन कर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बन जाते हैं। जलाए जाने पर वायु में अनेक विषैली गैसें वायु मंडल में छोड़ते हैं जिससे वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं। प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है। उसके पास जो तकनीक है, उसमें केवल दशमलव दो (.2) प्रतिशत ही गैस उत्सर्जन होता है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पैकिंग सामग्री तैयार करना नवाचार की दूसरी चुनौती है। गांव में भी अब तो प्लास्टिक कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं। आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक हो कर आ रही हैं। प्लास्टिक के पुनः चक्रीकरण के लिए यह जरूरी है कि प्लास्टिक और अन्य सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र किया जाए। और कबाड़ी को दिया जाए। जो बच जाए उसे निबटाने के दुसरे सुरक्षित तकनीकी उपायों की सरकारें व्यवस्था करें। एक विचार यह भी जोर पकड़ रहा है कि जो पैदा करे वही कचरे के प्रबंधन का जिम्मेदार ठहराया जाए ताकि ये पैकिंग करके सामान बेचने वाली कंपनियां पैकिंग सामग्री एकत्रित करवा कर वापस लें, और रीसाइक्लिंग की व्यवस्था करें। किन्तु केवल प्लास्टिक ही जलवायु परिवर्तन का कारक नहीं है। रासायनिक कृषि के कारण भी भूमि की जैविक पदार्थ धारण करने की क्षमता समाप्त हो जाति है जिससे कार्बन पदार्थ का भूमि में संचय नहीं होता दूसरा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाति है। जैविक कृषि को प्रोत्साहित करके और वैज्ञानिक आधार पर विकसित करके इस समस्या से

निपटा जा सकता है। भारत में इस दिशा में कुछ काम होना शुरू भी हुआ है किन्तु इसे अभी तक मुख्यधारा बनाने में सफलता नहीं मिली है। इसके लिए अधिक वैज्ञानिक शोध की जरूरत है ताकि रासायनिक विधि के बराबर ही उत्पादन करके दिखाया जाए और अन्न सुरक्षा की चुनौती पर कोई खतरा आने की चिंता न रहे। जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र की है। हमारे देश में कुल विद्युत उत्पादन 428 गीगा वाट है। जिसमें से 71 प्रतिशत कोयले और जीवाश्म ईंधन से हो रहा है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 168 ।96 गीगा वाट है। जिसमें से 42 गीगा वाट जल विद्युत का उत्पादन है। किन्तु जल विद्युत भी जब बड़े बांधों के माध्यम से बनाई जाती है तो जलाशयों में बाढ़ से संचित जैव पदार्थ आक्सीजन रहित सड़न द्वारा मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन कार्बन डाई आक्साइड से छह गुणा ज्यादा वैश्विक तापमान वृद्धि का कारक है। इसलिए एक सीमा से ज्यादा जल विद्युत का प्रसार भी ठीक नहीं। सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है। भारत वर्ष में पिछले कुछ सालों में सौर ऊर्जा उत्पादन में अच्छा काम हुआ है। भारत वर्ष में 2030 तक 500 गीगा वाट स्वच्छ उर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। आशा है इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किन्तु बड़े ऊर्जा पार्क बना कर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है जिससे कई समुदायों की रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं जिसके विरुद्ध कई आवाजें उठती रहती हैं, और संघर्ष खड़े हो जाते हैं। इन जायज संघर्षों को अकसर शासन और प्रशासन स्थानीय समुदायों की कठिनाई को समझ कर समाधान करने के बजाए उनसे टकराव का रास्ता चुनती हैं और उन्हें देशविरोधी, विकास विरोधी ठहराने के अवास्तविक और अनावश्यक प्रयास करते हैं। जिससे बेगुनाह लोग अत्याचार और शोषण का शिकार हो जाते हैं और समाज में असंतोष बढ़ता है। हमें याद रखना चाहिए कि विकास का मतलब समावेशी विकास होता है। राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक ही विकास का मुख्य लाभ पहुंचने से आय का न्यायपूर्ण बंटवारा नहीं हो सकता। अतः उत्पादन का यथा संभव विकेन्द्रित तरीका ही अपनाया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए भारत में 6 लाख के लगभग गांव हैं। यदि हर गांव में एक मैगा वाट सौर उर्जा उत्पादन घर की छतों पर और बेकार जगहों पर किया जाए तो बिना किसी एक जगह संसाधनों पर बड़ा दबाव बनाए 6 लाख मेगा वाट बिजली का उत्पादन हो सकता है ।उत्पादन के इस तरीके से लाखों लोगों को रोजगार और स्व रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। अतः जरूरत टकराव की नहीं बल्कि विचार आदान-प्रदान की है। कौन विचार कितना करणीय है यह अपने देश की स्थितियों के अनुरूप तकनीकों के नवाचारों को प्रोत्साहित करके देखा जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण जिस तरह की अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, ग्लेशियर पिघलने की, रेगिस्तानों में अभूतपूर्व बारिश की, समुद्री जल स्तर बढने की जो घटनाएं हो रही हैं ये दुनिया भर के लिए चेतावनी हैं। दुबई, इंडोनेशिया, और अफ़्रीकी देशों की हाल की बेमौसमी बाढ़ें, यूरोप और अमेरिकी देशों के बेमौसमी बर्फीले तूफान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां हैं। गरीब देशों और कृषि प्रधान देशों पर इसका सबसे ज्यादा हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है। गरीब देशों में भी सबसे गरीब लोग ही ज्यादा प्रभावित हों रहे हैं। इस तरह जलवायु परिवर्तन सामाजिक न्याय के लिए भी वैश्विक स्तर पर बड़ी चुनौती बन कर खड़ा है, जिससे निपटने में देर आत्मघाती ही सिद्ध होगी। पृथ्वी दिवस इस खतरे के प्रति सजग करने का अवसर होता है जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यही भारतीय सभ्यता का संदेश भी है जिसने "माता भूमि, पुत्रोह्म पृथिव्याः" कह कर मानव को भूमि का पुत्र घोषित किया है। हम मां के वात्सल्य पूर्ण आंचल की रक्षा अपने ही हित के लिए कर सकें अपनी गलतियों को सुधार कर। इस संदर्भ में अतीत के पन्नों पर झांकना जरूरी है। 1962 में राचेल कार्सन ने "साइलेंट स्प्रिंग" नामक पुस्तक लिखी जिसमें पर्यावरण को कीटनाशकों से हो रहे नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। कीटनाशकों की कुछ मात्रा अनाजों में आ जाती है और खाद्य शृंखला में दाखिल हो जाती है, जिसका दुष्प्रभाव मानवजाति के अतिरिक्त अन्य पशु- पक्षियों पर भी पड़ जाता है जिसके कारण कई पक्षी प्रजातियां लुप्त हो रही थीं।

दृष्टि कोण

टीएन शेषन ने बदली थी भारत के अराजक चुनावों की तस्वीर

ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है। देश के दबंग चुनाव आयुक्त के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले टीएन शेषन नौकरशाही में भी सुधार के जनक थे। ईमानदारी और कानून के प्रति अपनी निष्ठा की वजह से वह बहुतों को खटकते भी थे। इस वजह से उनके विरोधी उनको सनकी और तानाशाह तक भी कहते थे। लेकिन वह व्यवस्था में क्रांति लाने वाले इंसान, मेहनती, सक्षम प्रशासक, योग्य नौकरशाह, बुद्धीजीवियों और मध्य वर्ग के नायक थे। पलक्कड़ (केरल) के निवासी टीएन शेषन ने 1955 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में ट्रेनी के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की। शेषन ने अपनी पहली तैनाती में ही तीखे तेवर दिखाते हुए तमिलनाडु के मदुरई जिले के डिंडीगुल में सब कलेक्टर पद पर रहते हुए हरिजन समुदाय के एक व्यक्ति पर फंड के घपले का आरोप में गिरफ्तार करवा दिया। मंत्री के दवाब के बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा। चेन्नई में यातायात आयुक्त पद के दौरान एक बार एक ड्राइवर ने शेषन से पूछा कि अगर आप बस के इंजन को नहीं समझते और ये नहीं जानते कि बस को ड्राइव कैसे किया जाता है, तो आप ड्राइवरों की समस्याओं को कैसे समझ पाएंगे। शेषन ने इसको एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न सिर्फ़ बस की ड्राइविंग सीखी बल्कि बस वर्कशॉप में भी काफ़ी समय बिताया। एक बार उन्होंने बीच सड़क पर ड्राइवर को रोक कर स्टेयरिंग संभाल लिया और यात्रियों से भरी बस को 80 किलोमीटर तक चलाया। शेषन का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से काफी झगड़ा हो गया, जिसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के एक सदस्य के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के आग्रह पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सचिव बन गए। सचिव के तौर पर उन्होंने टिहरी बांध और सरदार सरोवर बांध जैसी परियोजनाओं का विरोध किया। भले ही सरकार ने उनको विरोध को दरकिनार कर दिया और परियोजना पर काम को आगे बढ़ाया लेकिन बांध के पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया गया। इसके साथ ही शेषन ने विभागों में नहीं कहने का रुझान शुरू किया। इस दौरान राजीव गांधी से उनकी नजदीकी बढ़ी। वहां से उनको आंतरिक सुरक्षा का सचिव बनाया गया। करीब 10 महीनों बाद उनको कैबिनेट सचिव बनाया गया। जब राजीव गांधी दिसंबर 1989 में चुनाव हार गए और प्रधानमंत्री नहीं रहे तो टीएन शेषन का ट्रांसफर योजना आयोग में कर दिया गया। शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की दास्तां भी कम दिलचस्प नहीं है। दिसंबर 1990 केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और शेषन के दोस्त सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के दूत के तौर शेषन पर मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की पेशकश की। शेषन इस प्रस्ताव से बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुए थे, क्योंकि पहले ही कैबिनेट सचिव विनोद पांडे ने भी उन्हें ये प्रस्ताव दिया था। शेषन इस प्रस्ताव पर राजीव गांधी से मिले। राजीव गांधी ने शेषन को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन वो इससे बहुत खुश नहीं थे। उन्होंने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि वो दाढ़ी वाला शख्स (चंद्रशेखर) उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फ़ैसला किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने साठ के दशक में तमिलनाडु में शेख़ को नजरबंद करवा दिया था। शेषन उस समय मदुरै जिले के कलेक्टर थे। उनको जिम्मेदारी दी गई थी कि वो शेख़ द्वारा बाहर भेजे गए हर पत्र को पढ़ें। शेख ने डॉक्टर एस राधाकृष्णन प्रेसिडेंट ऑफ़ इंडिया के नाम पत्र लिखा। शेषन ने बिना डरे पत्र पढ़ लिया। शेख़ ने घोषणा की कि वो उनके साथ किए जा रहे खराब व्यवहार के विरोध में आमरण अनशन पर जाएंगे। शेषन ने कहा कि सर ये मेरा कर्तव्य है कि मैं आपकी हर ज़रूरत का ख्याल रखूं, मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि कोई आपके सामने पानी का एक गिलास भी ले कर न आए। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव के धर्मराजन त्रिपुरा में हो रहे चुनावों का पर्यवेक्षक का कार्य छोड़ कर थाइलैंड चले गए। इस पर दंडित करते हुए शेषन ने उनकी गोपनीय रिपोर्ट में विपरीत प्रविष्टि करने का फ़ैसला किया। शेषन ने वर्ष 1993 में 17 पेज का आदेश जारी किया कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नही देती, तब तक देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा। आखिरकार सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। मौजूदा आदर्श आचार संहिता उसी आदेश का परिणाम है। शेषन के आने से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त एक आज्ञाकारी नौकरशाह होता था जो वही करता था जो उस समय की सरकार चाहती थी।

कुछ अलग

समाज का स्याह और चमकीला पहलू

एक चरित्र 'चमकीला' की इधर बहुत चर्चा है। क्या एक 'चमकीला' हम सबके भीतर रहता है? सालों पहले मुंबई में एक लावणी-प्रस्तुति के दौरान मेरे एक मित्र मराठी गीत के बोल मुझे हिंदी में अनुवाद करके बता रहे थे। कह रहे थे कि ये प्रसिद्ध मराठी लोकगीत है। उन्होंने बचपन में मोहल्ले की औरतों को गाते सुना था- अत्तराचा फाया तुम्ही मला आण राया/ विरहाचे ऊन बाई/ देह तापवून जाई/ धरा तुम्ही माझ्यावरी/ चंदनाची छाया। मतलब - इत्र के फाहे तुम मेरे लिए ले आना, बाहर की आग से ज्यादा मेरे अंदर है आग। तुम अपनी चंदन सी छाया मुझे ओढ़ा देना। पिछले सप्ताह ओटीटी पर पंजाब के लोकप्रिय लोक गायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर बनी फिल्म देखते हुए मुझे उस लावणी गीत की बेतहाशा याद आई। चमकीला पंजाबी में ऐसे ही गाने लिखते और गाते थे। वह कहते थे, मैंने बचपन में यही सब देखा है। गाने के बोल उन्होंने अपने आसपास की जिंदगी से उठाए। ऐसी जिंदगी, जो गांव-देहात और कस्बों में आम लोग जीते थे। 1960 में पंजाब के एक छोटे से गांव दुगरी के दलित सिख परिवार में जन्मे धन्नी सिंह का बस एक छोटा सपना था इलेक्ट्रिशियन बनने का। धन्नी सिंह को तुंबी बजाने का शौक था। लुधियाना के एक कपड़ा मिल में काम करते हुए धन्नी को लगा कि उन्हें अपने मन का कुछ करना चाहिए। वह अपने मन से गीत बनाने लगे। ऐसे बोल, जो उस समय पसंद किए जाते थे। उन बोलों में खिलंदड़ापन भी था, बदमाशी, छेड़छाड़ भी थी और प्रेम व अश्लीलता भी। रातोंरात अमर सिंह चमकीला पंजाब का सितारा बन गए थे। उनके लिए एक खिताब भी गढ़ा गया- पंजाब का एल्विस प्रेस्ली। चमकीला को सुनने गांव-देहात की महिलाएं भी आती थीं, जो उनको सुनने के लिए घरों की छतों पर जम जाती थीं। 1980 के दशक में उनके गीतों के कैसेट पंजाब में रिकॉर्ड तोड़ बिकते थे। लेखक-निर्देशक इम्तियाज अली ने अमर सिंह चमकीला की भूमिका में पंजाब व बॉलीवुड के एक चिर-परिचित चेहरे दिलजीत दोसांझ को लिया है। यह फिल्म एक दौर का दस्तावेज भर नहीं है। हालांकि, फिल्म में चमकीला की जाति को लेकर न्यूनतम जिक्र हुआ है, लेकिन उनके निधन के 36 साल बाद आज भी यू-ट्यूब और दूसरे चैनलों पर उनके एक करोड़ से अधिक श्रोता हैं। प्रसिद्ध संगीतज्ञ और लेखक गिब स्क्रेफलर ने अपनी किताब में चमकीला और अमरजोत को 'कमर्शियल फोक गायक' कहा है। उन्होंने लिखा है, उनका मकसद लोगों का मनोरंजन करना था। कोई अचरज नहीं, चमकीला पर फिल्म आने के बाद अचानक गूगल, यू-ट्यूब, स्पॉटीफाई और अन्य सोशल मीडिया में लोग उनके बारे में जानने को उत्सुक हो गए हैं। एक लोकगायक बड़े सामाजिक विमर्श की वजह बन गया है। प्रश्न यह है कि क्या चमकीला आज भी प्रासंगिक हैं? क्या उन पर जो आरोप चार दशक पहले लगे थे, वे सही थे? क्या फिल्म बनाकर एक 'अश्लील' गायक को महिमामंडित किया जा रहा है? वैसे, अश्लीलता की परिभाषा बहुत महीन है। गौर कीजिए, हमारे देश की नाना लोक संस्कृतियों में द्विअर्थी गाने सदियों से गुंथे हुए हैं। उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक। जब यह सब शुरू हुआ होगा, तब मनोरंजन और प्रहसन के लिए कोई आधुनिक माध्यम नहीं था। सामाजिक परिवेश भी अलग था। त्योहारों और मेल-मिलाप के दौरान मस्ती के माहौल में कुछ रियायतें ले ली जाती थीं। प्रेम, यौनिक ठिठोली, छेड़छाड़ और वर्जित विषयों पर चुटकियां लेना आम बात थी। अगर आप देखें, तो शादी-ब्याह में गाली वाले प्रहसन, गीत, महाराष्ट्र में लावणी, हिमाचल की सीमा के आसपास मनाया जाने वाला पर्व होलाच, औरंगाबाद का देव उत्सव, होली में फगुआ के दौरान वही पुरानी परंपरा और लोक गाने देखने-सुनने को मिलते रहे हैं।

देश दुनीया से

राजनीति में अपराधियों की बढ़ती संख्या चिन्ताजनक

> भाजपा-कांग्रेस साथ-साथ : पहले पेज की ही बात करें तो भाजपा के 77 उम्मीदवारों में से 28 के खिलाफ ।मिनल केसेज और 14 के खिलाफ गंभीर अपराध के मामले दर्ज है। वायनाड से ही राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार के सुरेन्द्रन के खिलाफ 242 मामले दर्ज हैं, हालांकि इनमें से 237 केसेज अकेले सबरीमाला प्रकरण से जुड़े आन्दोलन को ले कर हैं। इसी तरह, पहले पेज में कांग्रेस के 56 वैंडिडेट्स में से 19 के खिलाफ व्रिमिनल केसेज और 8 के खिलाफ गंभीर व्रिमिनल केसेज दर्ज है। कमोबेश यही हालत दूसरे पेज की भी है और उम्मीद है कि आने वाले पेजेज की भी हालत यही होगी।

क्या इस बात पर सवाल नहीं उठेगा कि एक-एक वैंडिडेट की जन्मवुंडली खंगालने के बाद ही जब टिकट दिया जाता है, तब क्या दिल्ली में बैठे भाजपा या कांग्रेस आलाकमान को उन पैक्ट्स से अनजान रखा जाता है, जो तथ्य ऐसे वादों, गारंटी पर सवालिया निशान लगा देते हैं। राजनीति में अपराधियों की बढ़ती संख्या चिन्ताजनक अपराध वह हम्माम है, जिसमें सारे के सारे राजनैतिक दल नंगे हैं। क्या भाजपा, क्या कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों की बात ही क्यों न हो? पहले और दूसरे पेज के चुनाव में भी ऐसे अपराधियों की संख्या भरपूर मात्रा में है। लेकिन, इसमें एक और पहलू है। आमतौर पर कहा जाता है कि राजनीति में द्वेषपूर्ण तरीके से भी एक दूसरे के खिलाफ मुकदमें कर दिए जाते हैं। यह बात बहुत हद तक सही भी है। लेकिन, एक होता है गंभीर किस्म का अपराध. हत्या, डवैती, बलात्कार, लूटपाट, दंगा भड़काना आदि. ऐसे उम्मीदवारों को आखिर चुनाव लड़वाने की कौन सी मजबूरी होती है। जबकि पिछले वुछेक दशक से एसोसिएशं फॉर डेमोव्रोटिक रिफॉम्र्स लगातार चुनावी राजनीति से अपराधियों को अलग करने की मुहीम चला रही है। बावजूद इसके, शीर्ष राजनीतिक दल कोई सबक नहीं लेते दिख रहे हैं। भाजपा-कांग्रेस साथ-साथ : पहले पेज की ही बात करें तो भाजपा के 77 उम्मीदवारों में से 28 के खिलाफ ।मिनल केसेज और 14 के खिलाफ गंभीर अपराध के मामले दर्ज है। वायनाड से ही राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार के सुरेन्द्रन के खिलाफ 242 मामले दर्ज हैं, हालांकि इनमें से 237 केसेज अकेले सबरीमाला प्रकरण से जुड़े आन्दोलन को ले कर हैं। इसी तरह, पहले पेज में कांग्रेस के 56 वैंडिडेट्स में से 19 के खिलाफ व्रिमिनल केसेज और 8 के खिलाफ गंभीर व्रिमिनल केसेज दर्ज है। कमोबेश यही हालत दूसरे पेज की भी है और उम्मीद है कि आने वाले पेजेज की भी हालत यही होगी। और यह तब है जब एक तरफ भाजपा नारा देती है, बहुत हुआ महिलाओं पर अत्याचार, अबकी बार मोदी सरकार। वहीं दूसरी तरफ, कांग्रेस ने इस बार के मेनिपेस्टो में हर साल महिलाओं के खाते में एक लाख रूपया देने की बात कही है। प्रियंका गांधी लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ का नारा दे कर यूपी का चुनाव लड़ चुकी है। लेकिन, ये सब महज नारे हैं, वादें है, गारंटी हैं, मंशा है। हम कहीं से भी इन बातों पर न सवाल उठाना चाहते है, न शक करना चाहते है। लेकिन, तथ्य और पैक्ट्स का क्या करेंगे? क्या इस बात पर सवाल नहीं उठेगा कि एक-एक वैंडिडेट की जन्मवुंडली खंगालने के बाद ही जब टिकट दिया जाता है, तब क्या दिल्ली में बैठे भाजपा या कांग्रेस आलाकमान को उन पैक्ट्स से अनजान रखा जाता हैं, जो तथ्य ऐसे वादों, गारंटी पर सवालिया निशान लगा देते है। मेडक से सासारामः रेप से पोक्सो तक : तेलंगाना के भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन मेडक लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार है और उनके खिलाफ 29 मुकदमें लंबित है, जिसमें एससी/एसटी एक्ट से ले कर बलात्कार तक के मामले हैं. दूसरी तरफा कांग्रेस के एक उम्मीदवार है सासाराम से। उस सासाराम से जिसकी विरासत बाबू जगजीवन राम और मीरा वुमार जैसी महिला शत्ति के नाम से प्रसिद्द है। ऐसे में, कांग्रेस की ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उसने पोक्सो एक्ट जैसे संगीन जुर्म के आरोपी को अपना उम्मेदवार बनाया? क्या ऐसा जानबूझ कर किया गया? या फिर शीर्ष नेतृत्व को इन तथ्यों की जानकारी ही नहीं थी? दरअसल, 8 अप्रैल 2024 को वुंद्रा थाना, भभुआ में पोक्सो एक्ट (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012) के तहत दर्ज एफ़आईआर संख्या 579201 5240130 को बिना संज्ञान में लेते हुए, वैसे सासाराम से कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार एक ऐसे व्यत्ति (मनोज राम) को बना दिया, जिसके बेटे (उज्जवल वुमार, जो गिरफ्तार भी हुआ) और जिस पर खुद इस केस के अभियुत्त के तौर पर नाम दर्ज है। (एफआईआर की प्रति संलग्न है)। सवाल है कि जब बिहार या देश की जनता के बीच यह मैसेज जाएगा (एफिडेविट जमा करने के बाद) तब कांग्रेस क्या जवाब देगी? जाहिर हैं, तब भाजपा के पास एक दमदार मुद्दा होगा, जिसके आधार पर वह पूरे देश में इस उदाहरण को पेश कर के कांग्रेस की महिला न्याय गारंटी पर सवाल खड़े करेंगी. किसने किसको गुमराह किया? : फिर सवाल है कि क्या वैंडिडेट ने स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व या दिल्ली से आए कांग्रेस प्रभारी/ पर्यवेक्षकों को गुमराह किया? दिलचस्प यह भी है कि भभुआ के ही रहने वाले पीड़ित पिता (पिछड़ी/ अतिपिछड़ी जाती से) ने फरवरी 2024 में ही पुलिस को आवेदन दिया था लेकिन तब प्राथमिकी दर्ज नहीं हुईं और जब वे पुलिस कप्तान से मिले तब कहीं जा कर 8 अप्रैल को यह प्राथमिकी दर्ज हो सकी।

आप का नजरीया

भाजपा की 44 दिन पहले ही निर्विरोध जीत

गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर सोमवार को भाजपा के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। बसपा प्रात्याशी प्यारे लाल भारती और चार निर्दलीय सहित वुल आठ उम्मीदवारों ने नाम वापस ले लिया। गुजरात में पहली बार कोईं प्रात्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुआ है। 1984 से सूरत सीट पर भाजपा जीत रही है। इस सीट पर 7 मईं को वोटिग होनी थी। कांग्रोस के प्रात्याशी नीलेश वुंभाणी और डमी प्रात्याशी का नामांकन प्रास्तावकों के हस्ताक्षर में त्रुटि के चलते रविवार को खारिज कर दिया गया था। भाजपा की निर्विरोध जीत के लिए कांग्रोस प्रात्याशी नीलेश वुंभाणी ने ही भाजपा से हाथ मिला लिया था। भाजपा की ओर से वुंभाणी को ऑपरेशन निर्विरोध की स्क्रिप्ट मिली। इसके अनुसार ही नीलेश वुंभाणी ने कांग्रोस की प्रादेश इकाईं को अंधेरे में रखते

सपा, बसपा व कांग्रेस आईसीयू में : केशव प्रसाद मौर्य

झांसी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार डॉ. अनुराग शर्मा ने मंगलवार को जुलूस के साथ अपना नामांकन किया। उससे पूर्व नामांकन सभा को संबोधित करने झांसी पहुंचे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा, कांग्रेस और बसपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि पिछले दो चरण के चुनाव में हाथी हवा में उड़ गया, साइकिल पंक्चर हो गई और जनता ने हाथ को मरोड़कर फेंक दिया। सपा, बसपा व कांग्रेस आईसीयू में है। उन्होंने माफिया मुख्तार अंसारी की मौत पर फातिया पढ़ने को लेकर कहा कि अखिलेश का माफियाओं से गहरा नाता है। जिस गाड़ी में सपा का झंडा लगा हों, समझ लो उसमें बैठा गुंडा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को भारी मतों से विजायी बनाने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी के झांसी-ललितपुर लोकसभा प्रत्याशी डॉक्टर अनुराग शर्मा की नामांकन जनसभा को संबोधित करने झांसी आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सबसे पहले मध्यप्रदेश के जिला दतिया स्थित सिद्ध पीठ मां पीतांबरा देवी के दरबार में माथा टेक पूजन अर्चना की। इसके बाद वह वाया रोड होते हुए झांसी नामांकन सभा को संबोधित करने मुक्ता काशी मंच पहुंचे। जनसभा में उपस्थित भीड़ को देख वह गदगद हुए और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने मोदी सरकार की हर घर जल योजना, फ्री राशन सहित कई परियोजनाएं गिनाते हुए कहा कि आज इस जनसभा में जिस प्रकार परिसर खचाखच भरा है। उसी प्रकार 2024 लोकसभा चुनाव में ईवीएम भी खचाखच भर देना। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव 2014, 2019 से बड़ा चुनाव है। 2014 चुनाव मोदी के नाम का था। 2019 का चुनाव मोदी की आंधी थी और अब 2024 का चुनाव तूफान है, सुनामी है, जिसने सपा, बसपा कांग्रेस सब उड़ जायेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि काशी से झांसी तक और गाजियाबाद से पूरे उत्तर प्रदेश तक एवं पूरे देश में कमल चारों ओर खिल रहा है। मोदी, योगी और भाजपा को संपूर्ण विश्वास है कि इस बार यह जनता तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का काम करेगी। 2014 से पहले भारत शीश झुकाता था। सैनिकों के शीश काट कर ले जाते थे, लेकिन 2014 में भाजपा का बटन दबाने के बाद आतंकवाद का सफाया हो गया। उन्होंने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश का माफियाओं से नाता है, वह माफिया की मौत पर फातिया पढ़ते हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर अखिलेश उन्हे श्रद्धांजलि देने इसलिए नहीं गए थे क्योंकि उनका नाता जेहादियों, माफिया, गुंडा, खनन माफिया से है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में आज सब कुछ अमन चैन से है। 2024 के इस चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी की जमानत जब्त करा दो, उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीट भाजपा जीतेगी। उन्होंने जनता और अपने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि जितना वोट 2019 में दिया था उसमें हर बूथ पर 370 प्लस करना है। उन्होंने जनसभा में कार्यकर्ताओं और जनता में जमकर जोश भरा। इसके बाद रोड शो के माध्यम से प्रत्याशी अनुराग शर्मा को जिताने की अपील की। वही उन्होंने प्रत्याशी डॉक्टर अनुराग शर्मा का नामांकन पत्र दाखिल कराया। इस दौरान मंच पर सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह, सदर विधायक रवि शर्मा, बबीना विधायक जवाहर लाल, मऊरानीपुर विधायक रश्मि आर्या, ललितपुर विधायक राज्यमंत्री मन्नू लाल कोरी, एमएलसी रामतीर्थ सिंघल, रमा निरंजन, जिलाध्यक्ष हेमंत परिहार, अशोक गिरी, कुलदीप, जमुना प्रसाद, सुधीर सिंह, धर्माचार्य विष्णु दत्त स्वामी, हरीओम पाठक, कुंवर रामपाल सिंह निरंजन सहित कई भाजपा पदाधिकारी और नेता उपस्थित रहे।

महबूबा ने संसद में लोगों के हितों की वकालत करने वाले प्रतिनिधि को चुनने पर दिया जोर

श्रीनगर (हिंस)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने एक ऐसे प्रतिनिधि को चुनने के महत्व पर जोर दिया जो संसद में लोगों के हितों की वकालत कर सके। उन्होंने परिस्थितियों की परवाह किए बिना पिछले 22 वर्षों में अपने घटकों के लिए पीडीपी की निरंतर वकालत पर भी प्रकाश डाला। अनंतनाग में एक सार्वजनिक सम्मेलन में महबूबा मुफ्ती ने जोर देकर कहा कि चल रहे लोकसभा चुनाव एक ऐसे प्रतिनिधि को चुनने का अवसर है, जो केवल बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय लोगों की चिंताओं को प्रभावी ढंग से आवाज दे सके। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू और कश्मीर बिजली की कमी, बिजली बिलों में वृद्धि और बढ़ती बेरोजगारी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसी परिस्थितियों में हमें एक विश्वसनीय और मुखर प्रतिनिधि की आवश्यकता है जो संसद में लोगों की आकांक्षाओं का सही मायने में प्रतिनिधित्व कर सके। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली को हमारे अधिकारों को ब्याज सहित वापस करना चाहिए।

राजनाथ सिंह से शिया मुस्लिम शख्सियतों ने की मुलाकात

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ की सियासत में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के वक्त से शिया मुस्लिम मतदाता भारतीय जनता पार्टी के लिए भी मतदान करते रहे हैं। लखनऊ से भाजपा प्रत्याशी एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से नामांकन करने के बाद शिया मुस्लिम चेहरों, शख्सियतों से एक के बाद एक मुलाकात की। जिसमें शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने मुलाकात की। राजनाथ सिंह के लिए धागा बांधकर कल्बे जव्वाद ने जीत की दुआ मांगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजनाथ सिंह ने नामांकन के बाद मुस्लिम धर्मगुरुओं से मुलाकात की तो लखनऊ में सियासी पारा चढ़ गया। मुस्लिम धर्मगुरु शिया ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी और धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास से राजनाथ सिंह की मुलाकात हुई। मुस्लिम में बड़े चेहरों शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी, मौलाना कमरुल हसन, भाजपा नेता असरार अहमद, अमील शमली, खुर्शीद ने भी देश के रक्षा मंत्री और लोकसभा प्रत्याशी राजनाथ सिंह से मिलकर भाजपा के विजय के लिए समर्थन दिया। मुलाकात के दौर में शिया कालेज से जुड़े तमाम अध्यापकों और कालेज सदस्यों ने भी राजनाथ सिंह से मिलकर मतदान करने का वायदा किया।

करोड़पति हैं इंडी गठबंधन के प्रत्याशी लग्जरी गाड़ियों के हैं मालिक

महोबा (हिंस)। महोबा-हमीरपुर तिंदवारी संसदीय सीट से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजेंद्र सिंह राजपूत करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। जिले के कनकुआ गांव के रहने वाले अजेंद्र सिंह पास डेढ़ करोड़ की कृषि योग्य भूमि के साथ एक राइफल भी है और उनकी पत्नी के पास 77 लाख रुपए से अधिक के आभूषण हैं। जबकि अजेंद्र सिंह 12वीं पास हैं। और उनके पास आधा दर्जन गाड़ियां हैं। उल्लेखनीय है कि हमीरपुर महोबा संसदीय सीट पर 20 मई को मतदान होना है, जिसके लिए 26 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। भाजपा प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने सबसे पहले नामांकन किया। उसके बाद बीते दिन समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजेंद्र सिंह राजपूत ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। अजेंद्र सिंह राजपूत मूलरूप से महोबा जिले के कनकुआ निवासी हैं। नामांकन पत्र दाखिल करते हुए सपा प्रत्याशी ने शपथ पत्र के जरिए अपनी संपत्ति का विवरण दिया। जिसमें उन्होंने बताया कि उनके पास कुल 1.02 करोड़ रुपए की चल और 2.90 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। जबकि पत्नी के पास 80.30 लाख रुपए की चल और 3 लाख रुपए की अचल संपत्ति है। उनके पास एक ट्रैक्टर है। चार लग्जरी कार है और वह एक जेसीबी है, जिनकी कुल कीमत लगभग 62 लाख से अधिक बताई गई है। इसके अलावा उनके पास लगभग डेढ़ करोड़ रुपए कीमत की 27 एकड़ कृषि योग्य भूमि है। एक राइफल के साथ लगभग 11 लाख रुपए कीमत के सोने चांदी के आभूषण है। आठ बैंक ऑन के खातों में 19 लाख रुपए से अधिक की धनराशि जमा है।

वाराणसी सहित देश के 30 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की ई-मेल से धमकी, हाई अलर्ट

वाराणसी (हिंस)। वाराणसी एयरपोर्ट के निदेशक पुनीत गुप्ता को ई-मेल से वाराणसी सहित देश के 30 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बीते सोमवार को एयरपोर्ट निदेशक को भेजे गए ई-मेल में लिखा है कि हमने सभी 30 एयरपोर्ट पर बम लगा दिए हैं और रिमोट का बटन दबाते ही उनमें धमाका हो जाएगा। माना जा रहा है कि किसी सिरफिरे ने एयरपोर्ट निदेशक को धमकी भरा ई-मेल भेजा है। इसके बावजूद बाबतपुर एयरपोर्ट पर आपात बैठक बुलाकर हाई अलर्ट जारी किया गया। बैठक में सीआइएसएफ, वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस, खुफिया एजेंसियों के अफसरों ने भाग लिया। बैठक के बाद सीआइएसएफ और पुलिस ने एयरपोर्ट और आसपास के इलाके बैकुंठपुर, सगुनहा, घमहापुर, मंगारी में रूटमार्च भी किया।

जो श्रीराम को लाएं है हम उनको लाएंगे, सीमांचल के फारबिसगंज में गजब संदेश दे रहे मुस्लिम युवा

फारबिसगंज/अररिया (हिंस)। देश में लोकसभा चुनाव का दो चरण का मतदान हो गया हैं। वही, तीसरा चरण में सीमांचल के अररिया सीट पर 7 मई को मतदान होना है। वही, मतदान को लेकर जनता भी तैयार हो गई है। नेताओं की ताबड़तोड़ रैलियां हो रही है वही, कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री भी सीमांचल के फारबिसगंज में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किए। देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक झलक देखने और सुनने के लिए लाखों की भीड़ पहुंची थी। फारबिसगंज हवाई अड्डा मैदान में हर जाति और धर्म के लोग पहुंचे थे मोदी को देखने और सुनने के लिए। उस भीड़ में कुछ मुस्लिम युवा का गुट थे जो कुर्ता पेजामा पहने माथे पे टोपी लगाएं और हाथ में एक कटआउट लिए कुछ अजब ही मैसेज सीमांचल के फारबिसगंज की धरती से देश को दे रहे थे कि *मोदी जी आप श्रीराम को लाएं है हम आपको लाएंगे।* इस तस्वीर को हमने अपने कैमरे में कैद कर लिया। लोगों कहना है कि ऐसज्ञ पहले कभी सीमांचल में नहीं देखा गया है ये तस्वीर बहुत कुछ बायां कर रही है। आपको बता दें कि अररिया लोकसभा सीट 1967 में अस्तित्व में आई है। इसके पहले ये पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा हुआ करता था। साल 2004 तक अररिया लोकसभा सीट आरक्षित सीट में गिनी जाती थी। 2009 के लोकसभा चुनाव में अररिया सीट सामान्य हुई है। अररिया लोकसभा सीट में एम-वाई फैक्टर काम करता आ रहा है। वही, सीमांचल के

अररिया लोकसभा सीट के जातीय समीकरण की बात करे तो यहां मुस्लिम-यादव (एम-वाई) फैक्टर काम करता है। इस सीट पर 44 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं की संख्या है। 56 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं की संख्या है। 15 प्रतिशत यादव वोटर हैं। इस तरह मुस्लिम और यादव मिलकर 59 प्रतिशत हो जातें है, जो कि हिंदू वोटर से अधिक हैं। इसलिए एमवाई फैक्टर इस सीट पर खास मायने रखते आ रहे है। नेताओं को जनता के पास आने का सिलसिला जोड़ सोर से चल रहा है नेता जनता के दरवाजे पर दस्तक देकर उनसे अपने पक्ष में वोट करने की अपील कर रहे है। वही, हमने अररिया के कुछ मुस्लिम बहुल क्षेत्र वहां के लोगों से लोकसभा चुनाव, उनके पसंदीदा नेताओं-पार्टी और उनके मुद्दों को लेकर सवाल किए. इस दौरान जो सबसे हैरान कर देने वाली बात निकलकर सामने आई, वह थी मोदी को लेकर लोगों का समर्थन।

समाज में बदलाव का सबसे प्रभावी साधन है शिक्षा : उपराष्ट्रपति

जयपुर (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि शिक्षा समाज में बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। हर क्षेत्र में वही लोग नेतृत्व कर रहे हैं, जिन्होंने शिक्षा में भी अपना स्थान बनाया। उन्होंने अपने जीवन में अपने सैनिक स्कूल, चित्तौड़गढ़ के संस्कारों और अनुभवों के महत्व को याद करते हुए कहा कि *मेरा असली जन्म तो सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ में ही हुआ।* उपराष्ट्रपति मंगलवार को जयपुर में राजस्थान पत्रिका के संस्थापक स्वर्गीय कर्पूर चंद कुलिश की स्मृति में कोठरी परिवार के *द कुलिश स्कूल* के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित छात्रों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों और अन्य गणमान्य अतिथियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जोर दिया कि हर बच्चे को उसकी रुचि के अनुरूप अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में हमारी पांच हजार साल पुरानी संस्कृति में शिक्षा के महत्व पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस संदर्भ में उन्होंने संविधान की

मूलप्रति जिस पर संविधान सभा के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे, उस पर अंकित चित्रों का जिक्र किया। संविधान की मूलप्रति के भाग 2 के पृष्ठ पर गुरुकुल का चित्र बना है तो भाग 4 वाले पृष्ठ पर कुरुक्षेत्र में श्री कृष्ण द्वारा गीता उपदेश का प्रसंग अंकित है। उन्होंने कहा ये चित्र, संविधान सभा द्वारा शिक्षा को दिए गए महत्व को दर्शाते हैं। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने स्वर्गीय कर्पूर चंद कुलिश की प्रतिमा का अनावरण भी किया। उन्होंने कहा कि कुलिशजी की यह प्रतिमा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी। इस संदर्भ में धनखड़ ने कहा कि कुलिश जी स्वयं वेदों के विद्वान थे तथा शिक्षा में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रबल समर्थक थे। उपराष्ट्रपति ने इस स्कूल की स्थापना के लिए कोठारी परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह स्कूल उनकी एक महत्वपूर्ण विरासत है। हिंदी पत्रकारिता में कुलिश के योगदान को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने उन्हें हिंदी पत्रकारिता का पुरोधा बताया। उन्होंने कहा कि कुलिश जी पाठकों को भगवान मानते थे। यद्यपि उस समय के बड़े राजनेताओं से उनके आत्मीय संबंध थे तथापि उन्होंने दबावों और प्रभावों से निस्पृह रह कर, पाठकों के हित में निष्पक्ष पत्रकारिता की। उपराष्ट्रपति ने भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 1991 में भारत की अर्थव्यवस्था लंदन-पेरिस जैसे शहरों के बराबर थी लेकिन आज हम विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। इस मौके पर राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद्र बैरवा, विधान सभा अध्यक्ष देवनानी, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, जयपुर की मेयर सौम्या गुर्जर, राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी, द कुलिश स्कूल के प्रबंधन मंडल के सदस्य तथा स्कूल के प्रधानाचार्य देवाशीष चक्रवर्ती सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

झारखंड में सभी 14 लोकसभा सीटें जीतेगा एनडीए गठबंधन : भजनलाल

धनबाद (झारखंड) (हिंस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को धनबाद पहुंचे। वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नामांकन में शामिल होने वाले थे लेकिन विलंब होने के कारण सीधे धनबाद के रणधीर वर्मा स्टेडियम गोल्फ ग्राउंड में आयोजित भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में पहुंचे। यहां उन्होंने मंच से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चार जून को झारखंड की सभी सीटों पर एनडीए की जीत होगी। झारखंड से हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 13 फूल (भाजपा) और एक फल (आजसू) भेंट करेंगे। भजनलाल ने कहा कि राजस्थान में 2014 के लोकसभा चुनाव में 25 सीट आए थे, 2019 में भी 25 सीट दिया और इस बार भी 25 में से 25 सीट भाजपा को मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि धनबाद के युवाओं, महिलाओं और आम लोगों में जिस तरह का उत्साह दिख रहा है उससे यह साफ हो गया है कि झारखंड में भी सभी 14 सीटें एनडीए गठबंधन को मिलने जा रहा है। साथ ही कहा कि आने वाला समय आपका है। आगामी विधानसभा चुनाव में भी झारखंड में भाजपा एनडीए गठबंधन की सरकार भारी बहुमत के साथ आएगी। भजनलाल ने कहा कि भाजपा

हमेशा देश की संस्कृति और विचार को लेकर के चलती है। उन्होंने इंडी गठबंधन पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि ये लोग कहते थे, कश्मीर से धारा 370 हटी तो खून की नदियां बह जाएंगी लेकिन वहां तो एक कंकड़ भी नहीं चला। साथ ही कहा कि वे लोग भगवान राम को काल्पनिक बताते थे। रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की तारीख पूछते थे। हमने रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की तारीख भी बताई और उन्हें निमंत्रण भी भेजा। भजनलाल ने कहा कि राजस्थान में इंडी गठबंधन वालों ने जिसे भी टिकट दिया उसने चुनावलड़ने से ही मना कर दिया।

आरजू ने सनातन परंपरा में की वापसी, आरती बनकर प्रेमी से रचाया ब्याह

महोबा (हिंस)। प्यार पाने के लिए मुस्लिम युवती सनातनी परम्परा को अपनाते हुए हिंदू बन गई। सोमवार को उसने प्रेमी युवक से हिंदू रीति रिवाज से साथ मंदिर में विवाह रचाया। अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लेकर जीने मरने की कसमें खाईं। जय श्री राम का नारा लगा कर अपनी खुशी व्यक्त की है। जनपद की एक युवती ने प्रेमी को पाने के लिए अपना धर्म परिवर्तन कर लिया। उसने पनवाड़ी कस्बा स्थित गौरैया दाई मंदिर में सनातन धर्म के अनुसार मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से अपने प्रेमी दिनेश जायसवाल के साथ से विवाह रचाया है। आरजू राइन ने हिंदू धर्म में अपना धर्म परिवर्तन करके आरती जायसवाल बन गई। पंडित जी और वहां मौजूद युवक के परिजनों ने दोनों को जीवन भर खुशी रहने का आशीर्वाद दिया है।

पुलिस ने डकैती की योजना बनाते पांच बदमाश दबोचे

धौलपुर (हिंस)। पुलिस ने चंबल के बीहड़ इलाके में डकैती की योजना बनाते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी बदमाश इनामी दस्यु धर्मेन्द्र उर्फ लुक्का गैंग के सकिय सदस्य हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार तथा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि कोतवाली पुलिस को चवंबल के बीहड़ में हाईवे से शेरगढ़ किले की ओर जाने वाले रास्ते की पुलिया क्षेत्र में संदिग्ध सशस्त्र लोगों के मूवमेंट के बारे में सूचना मिली थी। इस सूचना पर पुलिस ने छापामार कार्रवाई करते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में लवकुश उर्फ धर्मेन्द्र निवासी बीछिया की टेक, मुकेश गुर्जर निवासी डाबरीपुरा, हप्पड उर्फ धर्मवीर गुर्जर निवासी मौरोली, कम्पो उर्फ कम्पोटर गुर्जर निवासी पायलेन का पुरा एवं भूपेन्द्र उर्फ भूपे गुर्जर निवासी मौरोली थाना कोतवाली जिला धौलपुर शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी इनामी दस्यु धर्मेन्द्र उर्फ लुक्का गैंग के सकिय सदस्य हैं।

तीन दिन का अल्टीमेटम पूरा, नहीं हुई गिरफ्तारी

जोधपुर (हिंस)। लोकसभा चुनाव के द्वितीय चरण में जोधपुर में हुए मतदान के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के पुत्र व समर्थकों के साथ बीजेएस कॉलोनी में हुई मारपीट के मामले में अब तक कार्रवाई नहीं होने पर रोष जताया गया है। कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा, नगर निगम उत्तर की महापौर कुंती परिहार सहित कांग्रेस के नेताओं ने मंगलवार को डीसीपी (पूर्व) आलोक श्रीवास्तव से मुलाकात कर इस मामले के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि गत 26 अप्रैल को मतदान वाले दिन न्यू बीजेएस कॉलोनी में बालिका स्कूल के बाहर फर्जी मतदान के संदेह में कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए थे। कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा के बेटे हर्षवर्धन व भतीजे अभिमन्यु सिंह के साथ ही कुछ समर्थकों से मारपीट और पथराव किया गया था। तब आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस प्रत्याशी, नेता और कार्यकर्ता मौके पर ही अनशन पर बैठ गए थे। तीन दिन में गिरफ्तारी के आश्वासन पर यह अनशन समाप्त किया गया था लेकिन तीन दिन अल्टीमेटम पूरा होने के बाद भी मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इस पर कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह, महापौर कुंती परिहार, पूर्व राज्य मंत्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी, पूर्व विधायक मनीषा पंवार सहित कांग्रेस के अन्य नेता व जनप्रतिनिधियों ने आज डीसीपी पूर्व से मुलाकात कर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही का भी आरोप लगाया।

भागलपुर में सड़क हादसा, छह लोगों की मौत, तीन घायल

पटना (हिंस)। बिहार में भागलपुर जिले के कहलगांव मुख्य मार्ग एनएच-80 पर सोमवार देररात घोघा थाना क्षेत्र के आमापुर के पास सड़क दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार छह बारातियों की मौत हो गई। हादसे तीन लोग घायल हो गए। तीनों की हालत गंभीर है। घायलों को भागलपुर के मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने एनएच-80 का निर्माण कर रही एजेंसी की जेसीबी और अन्य संसाधनों से मलबा हटाकर लोगों को बाहर निकाला। इनमें छह की मौत हो चुकी थी। बाकी तीन लोग घायल मिले। घायलों ने स्थानीय लोगों को जो सूचना दी, उसके अनुसार बारात मुंगेर के हवेली खड़गपुर से पीरपैंती के खिदमतपुर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक तीन स्कॉर्पियो से बाराती भागलपुर से कहलगांव की ओर जा रहे थी। विपरीत दिशा से गिट्टी लदा हाईवा आ रहा था। इसी दौरान हाईवा अनियंत्रित होकर स्कॉर्पियो पर पलट गया। बीच में चल रही स्कॉर्पियो पूरी तरह से हाईवा की जद में आ गई। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। घायल कैलाश ने बताया कि लगभग एक घंटे तक वो लोग मलबे में दबे रहे।

सत्संग से संभव है मानव जीवन का उद्धार : स्वामी शिवानंद

नवादा (हिंस)। प्रकृति की गोद में स्थित पूज्यपाद स्वामी नित्यानंद जी महाराज की साधना स्थली महर्षि संतसेवी ध्यानयोग आश्रम धनावां में मंगलवार को रोह प्रखंड संतमत सत्संग का प्रथम वार्षिक द्विदिवसीय अधिवेशन सत्संग विधिवत प्रारंभ हो गया। मौके पर संत सद्गुरु महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज के वरिष्ठ शिष्य पूज्यपाद स्वामी शिवानंद जी महाराज ने सत्संग की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्संग से मानव जीवन में संस्कार का निर्माण होता है। जिस कारण मानव जीवन का कल्याण संभव है। सत्संग से ही दुष्ट से दुष्ट व्यक्ति भी सज्जन हो जाते है। सत्संग परमात्मा का निज अंग है। सत्संग चरित्र के साथ मोक्षदायिनी हैं। सत्संग से रत्नाकर हत्यारा महात्मा वाल्मीकि हो गए। महात्मा बुद्ध के सत्संग से अंगुलीमाल संत हो गए। स्वामी विवेकानंद जी महाराज ने कहा कि सत्संग से बुद्धि, यश सद्गति, मुक्ति मिलती है। स्वामी शांतानंद जी महाराज ने कहा कि मोक्ष के पहला द्वारपाल साधु संग ही है। संत सद्गुरु का संग ही सत्संग है प्रथम भगति संतन कर संगा। इस मौके पर अंग कोकिला सृष्टि सुमन और गोपाल गोपी ओझा के भक्तिमय भजन से वातावरण भक्तिमय हो गया इस मौके पर स्वामी अभिषेकानंद बाबा, स्वामी किसन बाबा, स्वामी प्रभाकर बाबा, स्वामी संतोष बाबा आदि संत महात्माओं ने प्रवचन किया।

पतंजलि समूह की मुश्किलें बढ़ी, जीएसटी बकाया के लिए दो कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली ।
योग गुरू स्वामी रामदेव के नेतृत्व वाले पतंजलि समूह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने इस समूह की कंपनियों पतंजलि आयुर्वेद और पतंजलि फूड्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

कंपनी ने कहा कि उसे एक कारण बताओ नोटिस मिला है। जिसमें कंपनी और उसके अधिकारियों को से कारण बताने को कहा गया है कि क्यों न उससे 27.46 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट वसूला जाए और जुर्माना क्यों न लगाया जाए। डीजीजीआई ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा अधिनियम 2017 और उत्तराखंड राज्य वस्तु एवं सेवा अधिनियम 2017 की धारा 74 और अन्य लागू प्रावधानों का हवाला दिया है। वहीं, पतंजलि फूड्स ने कहा, प्राधिकरण ने अभी केवल कारण बताओ नोटिस जारी किया और कंपनी अपने बचाव के लिए जरूर कार्रवाई करेगी। कंपनी ने कहा, कार्यवाही पूरी होने तक अपेक्षित वित्तीय निहितार्थ तय नहीं किए जा सकते। पिछले हफ्ते पतंजलि फूड ने कहा था कि वह पतंजलि आयुर्वेद के गैर-खाद्य व्यवसाय के अधिग्रहण के प्रस्ताव का मूल्यांकन करेगी। पतंजलि फूड्स को पहले रुचि सोया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। यह एक प्रमुख एफएमसीजी खिलाड़ी है। कंपनी खाद्य तेलों, खाद्य और एफएमसीजी और पवन उर्जा उत्पादन क्षेत्रों में पतंजलि, रुचि गोल्ड, न्यूट्रेला आदि जैसे ब्रांड के गुलस्ते के जरिए काम करती है। पतंजिल ने दिवालिया प्रक्रिया के जरिए रुचि सोया का अधिग्रहण किया था और बाद में कंपनी का नाम बदलकर पतंजलि फूड्स लिमिटेड कर दिया गया था।

पतंजलि के 10 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस रद्द - उत्तराखंड के औषधि नियंत्रण प्रशासन की ओर से जारी एक आदेश के मुताबिक, पतंजलि के 10 दिव्य फार्मेसी उत्पादों के विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। यह आदेश इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया था। इसमें कंपनी द्वारा औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम और औषधि एवं कॉस्मेटिक अधिनियम का उल्लंघन करते हुए इन उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों के बारे में शिकायतों का संज्ञान लिया गया था।

आदेश के मुताबिक जिन दिव्य फार्मेसी उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस रद्द किए गए किए गए हैं, उनमें श्वसारी गोल्ड, श्वसारि वटी, ब्रोंकोम, श्वसारि अवलेहा, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडॉम, बीपी ग्रित, मधुग्रित और मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

ए सीरीज़ के नए फोन ओप्पो ए60 लॉन्च, नए फोन की फटाक से फुल होगी चार्जिंग

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी ने अपने नए फोन ओप्पो ए60 को लॉन्च कर दिया है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एलसीडी स्क्रीन मिलती है। ओप्पो ने अपनी ए सीरीज़ के तहत इस फोन को लांच किया है। ये फोन क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 680 चिप से लैस है। इसके अलावा इसमें 8जीबी रैम और 256जीबी तक की स्टोरेज भी मिलती है। पावर के लिए इस फोन काफी दमदार बैटरी और खास कैमरा दिया जाता है। डुअल-सिम (नैनो) वाला ओप्पो ए66 एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड कलर ओएस 14.0.1 पर काम करता है। इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का एचडी+ एलसीडी डस्प्ले मिलता है, और ये 720गुणा 1,604 पिक्सल रेजोलूशन के साथ आता है। ये ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 680 चिप पर काम करता है, जिसे 8जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम के साथ जोड़ा गया है। कैमरे के तौर पर नए ओप्पो ए60 में एफ/1.8 अपर्चर और ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमेरी कैमरा मिलता है। इसमें एफ/2.4 अपर्चर वाला एक 2-मेगापिक्सल का सेकेंडरी कैमरा भी शामिल है जिसका इस्तेमाल गहराई से जानकारी इकट्ठा करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा फोन के फ्रंट की बात करें तो इसमें सामने की तरफ 8-मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलता है। कंपनी ने इस हैंडसेट को 256जीबी तक यूएफएफएस 2.2 स्टोरेज से लैस किया है। पावर के लिए ओप्पो ए60 में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जिसे 45वॉट पर चार्ज किया जा सकता है। बता दें कि ओप्पो ए60 को फिलहाल वियतनाम में लॉन्च किया गया है। इसके 8जीबी+128जीबी रैम और स्टोरेज मॉडल की कीमत वीएनडी 5,490,000 (लगभग 18,060 रुपये) है, जबकि 8जीबी+256जीबी वेरिएंट की कीमत वीएनडी 6,490,000 (लगभग 21,360 रुपये) रखी गई है। फोन को मिडनाइट पर्पल और रिपल ब्लू कलर में पेश किया जाएगा।इसमें बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर मिलता है। कनेक्टिविटी के लिए ओप्पो के नए फोन में 4जी एलटीई, वायफाय, ब्लूटूथ 5.0, एनएफसी, जीपीएस, ए-जीपीएस, एक यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और एक 3.5 एमएम ऑडियो जैक मिलता है।

कोविड के बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में तेज सुधार, नौ साल में मिलेंगे 5.82 करोड़ रोजगार

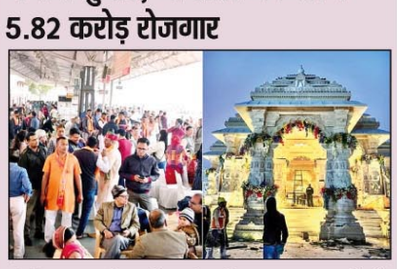

मुंबई। यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में 2033 तक यानी नौ साल में देश में 5.82 करोड़ रोजगार मिलने की उम्मीद है। कोरोना के समय 2020 में पर्यटन क्षेत्र में 3.9 करोड़ नौकरियां गई थीं, जो देश के कुल रोजगार का करीब 8 फीसदी थी। एनएलबी सर्विसेज की जारी रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी से उबरने के बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में सबसे तेज सुधार देखा गया। इस क्षेत्र ने कैलेंडर वर्ष 2023 में 16 लाख अतिरिक्त नौकरियां दीं।जनवरी 2023 से, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में दिहाड़ी नौकरियों में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसमें अनुवादक, फोटोग्राफर और टूर गाइड जैसे पद शामिल हैं। अगले दो वर्षों में इस क्षेत्र की नौकरियों में 20 फीसदी तक वृद्धि की उम्मीद है। जीडीपी में 16.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी मुद्रा के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम करते हुए यात्रा-पर्यटन ने 2022 में भारत की जीडीपी में 15.9 लाख करोड़ का योगदान दिया। 2023 के लिए 16.5 लाख करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया था।

ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी का इस्तीफा, रिपोर्ट्स में दावा- 200 लोगों की जा सकती है नौकरी

नई दिल्ली । ओला कैब्स के सीईओ हेमंत बख्शी ने अपनी ज्वाइनिंग के चार महीने बाद ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी अपने पुनर्गठन पर विचार कर रही है, इसके तहत 10 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की छंटनी भी संभव है। खबर के अनुसार बख्शी का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। बख्शी जनवरी में कंपनी से जुड़े थे। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले कहा गया है कि कंपनी में पुनर्गठन से कुछ भूमिकाएं समाप्त हो जाएंगी और इससे 10 प्रतिशत कार्यबल यानी करीब 200 लोगों को छंटनी का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि दिसंबर में, कंपनी की सहयोगी ओला इलेक्ट्रिक ने बाजार नियामक सेबी को अपने आईपीओ के लिए प्रस्ताव सौंपा था। इस आईपी के माध्यम कंपनी 7,250 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह एक भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी के 2010 में स्थापित ओला कैब्स में सॉफ्टबैंक और टाइगर ग्लोबल जैसे प्रमुख निवेशकों का साथ मिला है।

वर्ष 2025 में 101-104 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है भारत का तेल आयात बिल

नई दिल्ली।
आईसीआरए ने कहा कि भारत का शुद्ध तेल आयात बिल चालू वित्त वर्ष में 2023-24 में 96.1 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 101-104 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है और ईरान-इजरायल संघर्ष में किसी भी आयात वृद्धि से मूल्य पर दबाव बढ़ सकता है।

घरेलू रेटिंग एजेंसी ने अपने विश्लेषण के आधार पर कहा कि रूसी तेल आयात के कम मूल्य से 2023-24 के 11 महीनों (अप्रैल-फरवरी) में 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत होने का अनुमान है, जो 2022-23 में 5.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

वित्तीय वर्ष में कच्चे तेल की औसत कीमत एसडी 85/बीबीएल मानते हुए,आईसीआरए ने कहा कि भारत की तेल आयात निर्भरता अधिक रहने की उम्मीद है, अगर रूसी कच्चे तेल की खरीद पर छूट मौजूदा निम्न स्तर पर बनी रहती है, तो आईसीआरए को उम्मीद है कि भारत का शुद्ध तेल आयात बिल वित्त वर्ष 2024 में 96.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 101-104 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।

शुद्ध तेल आयात के मूल्य पर दबाव

इसके अलावा ईरान-इजराइल संघर्ष में किसी भी वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों में संबंधित वृद्धि से चालू वित्त वर्ष में शुद्ध तेल आयात के मूल्य पर दबाव बढ़ सकता है।

आईसीआरए की गणना के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत में 10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से वर्ष के दौरान शुद्ध तेल आयात 12-13 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ जाता है, जिससे चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 0.3 प्रतिशत बढ़ गया।

तदनुसार, यदि वित्त वर्ष 2025 में कच्चे तेल की औसत कीमत बढ़कर 95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो जाती है, तो सीएडी 2024-25 के लिए आईसीआरए के सकल घरेलू उत्पाद के 1.2 प्रतिशत के वर्तमान अनुमान से बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 1.5 प्रतिशत होने की संभावना है।

जो भारत के आयात और निर्यात के मूल्य के बीच का अंतर है, 2023-24 में 0.8 प्रतिशत अनुमानित है।

भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 प्रतिशत से अधिक आयात पर निर्भर है, जिसे रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित किया जाता है।

आईसीआरए ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल-फरवरी के दौरान भारत के पेट्रोलियम कच्चे तेल और उत्पादों के आयात के मूल्य में सालाना आधार पर 15.2 प्रतिशत की गिरावट आई, हालांकि इस अवधि में मात्रा में थोड़ी वृद्धि हुई।

इसे औसत वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ रियायती रूसी कच्चे तेल की बढ़ती खरीद से बचत से समर्थन मिला।

भारत के तेल आयात बिल

मात्रा के संदर्भ में, रूस से आयातित कच्चे पेट्रोलियम की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2022 में 2 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल-फरवरी वित्त वर्ष 2024 में 36 प्रतिशत हो गई, जबकि पश्चिम एशियाई देशों (सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत) से आयातित कच्चे पेट्रोलियम की हिस्सेदारी क्रमशः 34 प्रतिशत और 23 प्रतिशत तक गिर गई।

आईसीआरए का अनुमान है कि पश्चिम एशिया से आयात की तुलना में रूसी तेल के आयात के कम अनुमानित इकाई मूल्य से भारत के तेल आयात बिल में 2022-23 में 5.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 2023-24 के 11 महीनों में 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत हुई है। इससे वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का अनुपात 15-22 आधार अंक कम हो जाएगा।

हालांकि, कीमत के सापेक्ष मासिक छूट की सीमा वित्त वर्ष 2024 में तेजी से कम होकर सितंबर-फरवरी वित्त वर्ष 2024 में औसतन 8 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल-अगस्त वित्त वर्ष 2024 में 23 प्रतिशत थी।

नतीजतन, रूसी कच्चे तेल की खरीद से संबंधित बचत वित्त वर्ष 2024 के अप्रैल-अगस्त में 5.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से सितंबर-फरवरी वित्त वर्ष 2024 में घटकर 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की संभावना है, आईसीआरए ने कहा।

यूक्रेन युद्ध के बाद, कुछ पश्चिमी देशों ने रूसी तेल से परहेज किया, जिसके परिणामस्वरूप मास्को ने छूट की पेशकश की। इससे भारतीय रिफाइनर्स को रियायती तेल का लाभ उठाना पड़ा। मध्य पूर्व में हालिया संघर्ष से कच्चे तेल के आयात मार्ग पर भी ख़तरा पैदा हो गया है। इस महीने की शुरुआत में, ईरान ने पहली बार इज़राइल पर ड्रोन और रॉकेट हमले किए, जिसने जवाबी कार्रवाई में मिसाइल दागी। भारत सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात से तेल के साथ-साथ कतर से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से करता है, जो ओमान और ईरान के बीच एक संकीर्ण समुद्री मार्ग है।

कर्ज देने वाले संस्थानों पर भारतीय रिजर्व बैंक ने चलाया चाबुक, कहा- गलत ब्याज लिया तो तुरंत लौटाएं

मुंबई।
भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बार फिर कर्ज देने वाले बैंकों के साथ वित्तीय संस्थानों पर चाबुक चलाया है। इसने कहा, जिन संस्थानों ने भी गलत तरीके से अतिरिक्त ब्याज लिया है, वे तुरंत इस पर कार्रवाई करें और इसे लौटा दें। ये संस्थान ब्याज वसूलने में अनुचित तरीकों का सहारा ले रहे हैं। यह पूरी तरह से गलत है। आरबीआई ने जारी सर्कुलर में कहा, 2003 से विनियमित संस्थाओं (आरई) को समय-समय पर दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं। इनमें कर्ज मूल्य निर्धारण नीति पर निष्पक्षता और पारदर्शिता की बात है।

उचित व्यवहार को लेकर स्पष्टता है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए आरई की जांच के दौरान आरबीआई को ऋणदाताओं द्वारा ब्याज वसूलने में कुछ अनुचित प्रथाओं के उदाहरण मिले हैं। आरबीआई ने प्रमुख रूप से निष्पक्षता और पारदर्शिता में अनुचित प्रथाओं को लेकर चिंता जताई है। केंद्रीय बैंक ने कहा, सभी आरई कर्ज वितरण के तरीके, ब्याज के आवेदन और अन्य शुल्कों के संबंध में अपनी प्रथाओं की समीक्षा करें। सिस्टम स्तर पर बदलाव करें। ब्याज वसूलने के मुद्दे पर जरूरी सुधारात्मक कार्रवाई करें। आरबीआई ने कहा, ऑनसाइट जांच के दौरान यह पाया गया कि आरई ने कर्ज मंजूरी की तारीख या कर्ज समझौते की तारीख से ब्याज वसूला है। जबकि ब्याज तबसे वसूलना चाहिए, जब ग्राहक को लोन मिल चुका हो।

ग्राहक को चेक बाद में मिला, ब्याज पहले वसूला

आरबीआई ने कहा, ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जहां चेक की तारीख से ब्याज वसूला गया। जबकि ग्राहक को चेक कई दिनों बाद दिया गया। कुछ संस्थानों ने जिस महीने में कर्ज दिया, उस महीने का पूरा ब्याज लिया है।

कुछ मामलों में संस्थानों ने ग्राहक से एक या कई किस्तें लोन देने के समय ले लिए, लेकिन ब्याज पूरे कर्ज पर लिया है। कुछ मामलों में कर्ज वितरण के लिए जारी किए गए चेक के बदले आरई को ऑनलाइन ट्रांसफर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हांगकांग-सिंगापुर के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में भी जांच, खाद्य नियामक ने ग्राहकों से कहा- सचेत रहें

नई दिल्ली ।
एमडीएच और एवरेस्ट मसाला विवाद की आंच हांगकांग और सिगापुर होते हुए अब ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड तक पहुंच चुकी है। खाद्य मानक ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड (एफएसएएनजेड) ने घोषणा की है कि वह भारतीय कंपनियों एमडीएच और एवरेस्ट की ओर से उत्पादित मसालों में गड़बड़ी के आरोपों की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हांगकांग और सिंगापुर की तरह ही इस तरह की कार्रवाई के बाद ऑस्ट्रेलिया में भी इन उत्पादों को बाजार से वापस बुलाया जा सकता है। हांगकांग ने हाल ही में तीन एमडीएच मसालों और एवरेस्ट के फिश करी मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। सिंगापुर ने एथिलीन ऑक्साइड के अत्यधिक स्तर का हवाला देते हुए बाजार से एवरेस्ट मसाले को मंगा लिया है। यह एक ऐसा रसायन है जिसके संपर्क में लंबे समय तक रहने से यह कैंसर का कारण बन सकता है। एफएसएएनजेड ने एक बयान में कहा, हम इस मुद्दे को समझने के लिए अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ और संघीय, राज्य और क्षेत्रीय खाद्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि ऑस्ट्रेलिया में आगे की कार्रवाई की आवश्यकता है या नहीं। एजेंसी ने कहा कि एथिलीन ऑक्साइड को

ऑस्ट्रेलिया में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थों में उपयोग करने की अनुमति नहीं है। अगर कार्रवाई आगे बढ़ती है तो प्रभावित उत्पादों को बाजार से वापस मंगाया जा सकता है। एमडीएच और एवरेस्ट भारत के प्रमुख मसाला ब्रांड हैं जो यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखते हैं। अमेरिका में यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) भी इस मामले की जांच कर रहा है। भारत में भी खाद्य नियामक ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों की उत्पादन सुविधाओं का निरीक्षण किया है। भारतीय मसालों पर सवाल खड़े होने और अंतरराष्ट्रीय नियामकों की ओर से जांच शुरू होने से खाद्य पदार्थों के प्रति स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ी हैं। आस्ट्रेलिया में ग्राहकों को सलाह दी गई है कि जांच के बाद होने वाले संभावित रिकॉल के बारे में सचेत रहें और खरीदारी के दौरान खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करें।

यूपीआई के बावजूद बढ़ी नकदी की मांग, एटीएम से हर महीने निकाले गए 1.43 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली।
डिजिटल भुगतान में लगातार वृद्धि के बावजूद देश में नकदी की मांग घटने की जगह बढ़ी है। एटीएम में नकदी का प्रबंधन करने वाली कंपनी सीएमएस इन्फोसिस्टम्स ने जारी सालाना रिपोर्ट में कहा, लोगों ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एटीएम से हर महीने औसतन 1.43 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। यह आंकड़ा 2022-23 के 1.35 लाख करोड़ रुपये के औसत मासिक निकासी से 5.92 फीसदी ज्यादा है। ये ताजा आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि लोग खर्च के लिए अब भी नकदी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब पूरे देश में यह धारणा लगातार बढ़ रही है कि यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान मंचों के जरिये लेनदेन बढ़ने से नकदी के इस्तेमाल में कमी आ रही है।रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते वित्त वर्ष के दौरान महानगरों में एटीएम से नकदी निकासी 37.49 फीसदी बढ़ी है। इस अवधि के दौरान कस्बों एवं देहात में लोगों ने एटीएम से एक साल पहले की तुलना में 12.50 फीसदी अधिक नकदी निकासी की। एक एटीएम से निकासी में कर्नाटक सबसे आगे एक एटीएम से नकदी निकासी के मामले में कर्नाटक देश में पहले स्थान पर है। राज्य के लोगों ने 2023-24 में एक एटीएम

से औसतन 1.83 करोड़ रुपये निकाले हैं। दिल्ली 1.82 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और पश्चिम बंगाल 1.62 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है। महानगरों में निकासी 10.37 फीसदी बढ़ी देश के लगभग आधे एटीएम का प्रबंधन करने वाली कंपनी ने रिपोर्ट में कहा, महानगरों में लोगों ने 2023-24 के दौरान एक साल पहले की तुलना में औसतन 10.37 फीसदी ज्यादा नकदी निकासी की। इसमें कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 3.94 फीसदी और शहरों में 3.37 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसमें एटीएम और अन्य तरीकों से नकदी निकासी शामिल है। सरकारी बैंकों के 49 फीसदी एटीएम महानगरों और शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। निजी बैंकों के मामले में यह अनुपात 64 फीसदी है। दोनों ही वर्गों के बाकी एटीएम कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। मीडिया और इंटरटेनमेंट क्षेत्र में खर्च में बढ़ोतरी रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 के दौरान मीडिया एवं इंटरटेनमेंट क्षेत्र में औसत खर्च 29.30 फीसदी बढ़ा है।

टाटा संस ने टाटा प्ले में 10 प्रतिशत और स्टेक खरीदी

टेमसेक से 835 करोड़ में हुई डील, डीटीएच कंपनी में हिस्सेदारी बढ़कर अब 70 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली।
टाटा संस ने टाटा प्ले में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर ली है। ग्रुप ने सिंगापुर की इन्वेस्टमेंट फर्म टेमसेक से कंपनी में उसकी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी 100 मिलियन डॉलर (करीब 835.19 करोड़) में खरीद ली है।

ग्रुप के पास पहले से टाटा प्ले में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि डिज्नी के पास 30 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इस बात की जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा प्ले ने आईटी मंत्रालय को शेयरहोल्डिंग में बदलाव की जानकारी शेयर की है।

टाटा प्ले टाटा ग्रुप की एकमात्र मीडिया और एंटरटेनमेंट कंपनी है, जो कंज्यूमर फेसिंग है। यह भारत की सबसे बड़ी डीटीएच कंपनी है। इसके 2.1 करोड़ कस्टमर्स हैं। कंपनी की मौजूदा वैल्यूएशन 100 बिलियन डॉलर है। कोविड महामारी के पहले इसकी वैल्यूएशन करीब 300 बिलियन डॉलर थी।

डिज्नी की हिस्सेदारी भी खरीद सकती है टाटा

इस डील के बाद टाटा प्ले अब टाटा संस और वॉल्ट डिज्नी के बीच 70: 30 का ज्वाइंट वेंचर बन जाएगा। हालांकि, आने वाले समय में डिज्नी की हिस्सेदारी भी कम हो सकती है, क्योंकि रिपोर्ट के मुताबिक डिज्नी डीटीएच प्लेटफॉर्म से बाहर निकलना चाहता है। दोनों के बीच हिस्सेदारी बेचने की बात भी चल रही है।

टेमासेक ने 17 साल पहले 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी

टेमासेक ने साल 2007 में टाटा प्ले में निवेश कर उसकी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। टाटा प्ले 2001 में इनकॉर्पोरेट हुआ था और सर्विसेज 2006 से शुरू की थी। तब इसका नाम टाटा स्काई था, जिसे बाद में बदलकर टाटा प्ले कर दिया गया था। टाटा ग्रुप, टेमासेक से बायबैक के लिए काफी समय से प्रयास कर रही थी।

पे-टेलीविजन और ओटीटी सर्विसेज प्रोवाइड करती है टाटा प्ले

टाटा प्ले, टाटा ग्रुप और वॉल्ट डिज्नी कंपनी के ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी फॉक्स के बीच एक जॉइंट वेंचर है। टाटा प्ले सेट-टॉप बॉक्स के जरिए पे-टेलीविजन और अपने ऐप के माध्यम से ओवर-द-टॉप वीडियो स्ट्रीमिंग यानी ओटीटी सर्विसेज प्रोवाइड करती है।

पूरे भारत में टाटा प्ले के 2.3 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन हैं

टाटा प्ले ने टाटा प्ले बिंज की शुरुआत के साथ ओटीटी स्पेस में कदम रखा था। इस प्लेटफॉर्म पर आपको एक साथ अमेजन प्राइम वीडियो, डिज्नी+हॉटस्टार, सोनी लिव, वूट सेलेक्ट, वूट किड्स, शेमारूमी, सननेक्स्ट, हंगामा प्ले, इरोस जैसे ओटीटी ऐप मिलते हैं। पूरे भारत में टाटा प्ले के 23 मिलियन यानी 2.3 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन हैं।

इंदौर संभाग की टीम ने बनाया अनोखा रिकार्ड, 241 ओवर में बनाए 1155 रन

इंदौर।
क्रिकेट में रनों की भूख क्या होती है यह इंदौर के बल्लेबाजों को देखकर समझा जा सकता है, जो पिछले तीन दिनों से लगातार बल्लेबाजी कर रहे हैं। अब तक 1155 रनों का स्कोर बन चुका है और पारी अभी भी जारी है। यह मैच भी कोई ऐसा-वैसा नहीं है, बल्कि मप्र क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) द्वारा सीनियर खिलाड़ियों के लिए आयोजित एमवाय मेमोरियल ट्राफी का फाइनल है। सामने सागर की टीम है जो इतनी असहाय है कि विकेटकीपर सहित सभी 11 खिलाड़ी गेंदबाजी कर रहे हैं, मगर सफलता नहीं मिल रही। प्रदेश में घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़े स्कोर का कोई आधिकारिक रिकार्ड नहीं है, लेकिन लंबे समय से इतना बड़ा स्कोर नहीं देखा गया। फिलहाल इंदौर की बढ़त 1046 रनों की हो चुकी है। शहर के होलकर स्टेडियम पर मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंदौर ने 241 ओवर के खेल में पांच विकेट खोकर 1155 रन बना लिए हैं। टीम के लिए करण तेहलानी 355 रनों की अविजित पारी खेलते हुए क्रीज पर डटे हैं। अब तक 480 गेंदों का सामना करते हुए 25 चौके और एक छक्का लगा चुके हैं। वे करीब साढ़े 10 घंटे से खेल रहे हैं। दूसरे छोर पर अनिल मौर्य नाबाद 118 रन बना चुके हैं। अनिल भी 12 चौके और दो छक्के लगा चुके हैं। इनके अलावा चंचल राठौर (282 रन, 24 चौके, तीन छक्के) के दोहरे शतक के साथ हर्ष गवली (102 रन, छह चौके, तीन छक्के) और सागर सोलंकी (117 रन, 10 चौके, पांच छक्के) भी शतकीय पारियां खेल चुके हैं।

तीन दिन से बल्लेबाजी – मैच के पहले दिन सागर की टीम 31 ओवर में 109 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद इंदौर की टीम बल्लेबाजी कर रही है।

करण पर लग चुका है प्रतिबंध – करण को एमपीसीए ने उम्र संबंधित गलत दस्तावेज के चलते सितंबर 2018 में दो साल के लिए प्रतिबंधित किया था। किसी भी आयु में प्रतिबंध लगने से खिलाड़ी आयु वर्ग की टीम में नहीं खेल पाता और उसे सीधे सीनियर वर्ग में खेलना होता है। वापसी के बाद दो शतक लगाए, लेकिन पैर में फ्रेक्चर के कारण फिर लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे। विकेट अच्छा है और मैं सिर्फ अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले रहा हूं। मैच में अभी दो दिन शेष है। हम आगे भी खेलना जारी रखेंगे और जितना संभव हो बड़ा स्कोर बनाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए इन दो स्पेशल गेस्ट ने किया न्यूजीलैंड की टीम का एलान

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होना है। इस मेगा इवेंट से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने अपनी स्क्वॉड का एलान कर दिया है। न्यूजीलैंड की टीम ने दो बच्चों से अपनी टीम का एलान करवाई, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बच्चों में लड़की का नाम मटिल्डा और लड़के का नाम एंगस है। इन दो बच्चों ने न्यूजीलैंड की टीम का जिस तरह से एलान किया, उसकी हर जगह तारीफ की जा रही है। यह वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। न्यूजीलैंड टीम के कई खिलाड़ी मौजूदा समय में आईपीएल खेलने में व्यस्त हैं। इस बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की घोषणा हुई। न्यूजीलैंड की टीम ने सबसे पहले टी20 विश्व कप के लिए टीम का एलान किया। न्यूजीलैंड की टीम की कप्तानी केन विलियमसन को दी गई। इसके अलावा वनडे विश्व कप 2023 में शानदार बैटिंग करने वाले रचिन रविंद्र को भी टी20 विश्व कप में कीवी टीम में जगह मिली। रचिन और मैट हेनरी पहली बार टी20 विश्व कप में खेलेंगे। बेन सियर्स को 16वें ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में शामिल किया गया है। बता दें कि टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें कीवी टीम ग्रुप-सी का हिस्सा है। न्यूजीलैंड की टीम अपने टूर्नामेंट का आगाज 7 जून से करेगी, जिसके लिए कीवी टीम का एलान हो चुका है। इससे पहले वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी न्यूजीलैंड ने अपनी टीम का ऐलान शानदार अंदाज में किया था।

नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में

मैड्रिड। पांच बार के चैंपियन राफेल नडाल ने चोट से वापसी जारी रखते हुए मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में

जगह बना ली है। स्पैनियार्ड ने 2022 के बाद पहली बार किसी टूर-स्तरीय कार्यक्रम में चौथे दौर में पहुंचने के लिए पेड्रो कैचिन को 6-1, 6-7(5), 6-3 से हराया। नडाल ने खुद को अर्जेंटीना के कैचिन के साथ लड़ाई में फंसा हुआ पाया। पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद, उन्होंने दूसरा सेट टाई ब्रेक में गंवाया लेकिन निर्णायक सेट में फिर वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर थे। नडाल ने तीन घंटे और चार मिनट की कड़ी लड़ाई में जीत हासिल कर ली। 37 वर्षीय खिलाड़ी साल के अपने तीसरे टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, पिछले हफ्ते बार्सिलोना में दूसरे दौर में हार गए थे। विश्व नंबर 91 कैचिन के खिलाफ अपनी जीत के साथ, नडाल ने 2005 के बाद से एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 50 से बाहर के खिलाड़ियों के खिलाफ अपने क्ले-कोर्ट रिकॉर्ड को 162-1 तक सुधार लिया। एटीपी आँकड़ों के अनुसार, उस 19 साल की अवधि में उनकी एकमात्र हार नंबर 73 होरासियो ज़ेबालोस के खिलाफ विना डेल मार में आई थी। नडाल की नज़र तुरंत अपनी अगली चुनौती पर चली जाएगी। अंतिम सोलह में स्पैनियार्ड का सामना चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका से होगा। नडाल के पास मैड्रिड में 59-14 का टूर्नामेंट रिकॉर्ड है और जब वह लेहेका से खेलेंगे तो उनका लक्ष्य स्पेनिश राजधानी में अपने लगातार 10वें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का होगा।

चीन के आगे फीका पड़ा भारत का युवा जोश, उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में 5-0 से हारी भारतीय महिला टीम

चेंगदू (चीन)। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत की महिला टीम को चेंगदु में चल रहे उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। युवा सनसनी अनमोल खरब टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

शिवम दुबे को जगह, ऋषभ पंत-संजू सैमसन विकेटकीपर ; गिल और रिंकू सिंह रिजर्व प्लेयर

मुंबई।
अमेरिका और वेस्टइंडीज में 1 जून से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के लिए रोहित शर्मा की कप्तानी में 15 मेंबर्स वाला स्कॉड जारी किया है। आईपीएल में बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे संजू सैमसन और ऋषभ पंत को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। पेस बॉलिंग ऑलराउंडर की कैटेगरी में हार्दिक पंड्या के साथ-साथ शिवम दुबे भी चुने गए हैं। शुभमन गिल और रिंकू सिंह मुख्य स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाए हैं। ये ट्रैवलिंग रिजर्व का हिस्सा बनाए गए हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रिजर्व प्लेयर- शुभमन गिल, खलील अहमद, रिंकू सिंह, आवेश खान।

पाकिस्तान से 9 जून को भिड़ेगी टीम इंडिया

टीम इंडिया पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड से खेलेगी। टीम का दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को तीसरा मुकाबला अमेरिका और 15 जून को चौथा मुकाबला कनाडा से होगा।

कनाडा और अमेरिका के बीच होगा ओपनिंग मैच – इस बार टी-20 वर्ल्ड कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच डलास में होगा। फाइनल मैच 29 जून को वेस्टइंडीज के बारबाडोस शहर में होगा। सुपर-8 और नॉकआउट मैच वेस्टइंडीज में होंगे।

17 जून तक होंगे ग्रुप स्टेज के मुकाबले – टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के मुकाबले 2 से 17 जून तक होंगे। 19 से 24 जून तक सुपर-8 स्टेज के मुकाबले होंगे। फिर 26 जून से नॉकआउट स्टेज शुरू होगा।

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने 2-2 बार जीता है खिताब – इस बार टी-20 वर्ल्ड कप का 9वां एडिशन खेला जाएगा। इंग्लैंड डिफेंडिंग चैंपियन है, टीम ने 2022 में पाकिस्तान को हराकर दूसरी बार खिताब जीता था। इससे पहले 2010 में टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार ट्रॉफी जीती थी। वेस्टइंडीज भी 2012 और 2016 में 2 बार खिताब जीत चुकी है। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने एक-एक बार विजेता की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है।

ग्रुप बी और ग्रुप-डी में हैं 3 मजबूत टीमें – टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में 5-5 टीमों को 4 ग्रुपों में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान ग्रुप-ए में शामिल हैं। न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज ग्रुप-बी में हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-सी का हिस्सा हैं। जबकि ग्रुप-डी में साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के साथ बांग्लादेश भी है।

बटलर की अगुवाई वाली इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम में आर्चर भी शामिल

लंदन।
तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को जोस बटलर की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में नामित किया गया है, जो वेस्टइंडीज और यूएसए में शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में गत चैंपियन इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। जोफ्रा आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी की चोट से उबरने के बाद एक साल में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। 2021 के बाद से, उन्हें कई चोटों का सामना करना पड़ा है जिसमें फ्रैक्चर और बार-बार कोहनी की समस्याओं से लेकर फिश टैंक से जुड़ी दुर्घटना के बाद सर्जरी से गुजरना शामिल है। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आखिरी उपस्थिति एक साल पहले मार्च 2023 में इंग्लैंड के बांग्लादेश दौरे पर हुई थी।

बाएं हाथ के स्पिनिंग ऑलराउंडर टॉम हार्टले एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, वहीं विल जैक एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पहले आईसीसी विश्व टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया था। सभी टीमों को 25 मई तक अपनी टीमों में बदलाव करने की अनुमति है, जिसके बाद किसी भी बदलाव के लिए आईसीसी की इवेंट तकनीकी समिति से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, यह टीम अगले महीने लीड्स में चार मैचों की टी20 सीरीज में भी पाकिस्तान से भिड़ेगी। इंग्लैंड क्रिकेट ने कहा कि चयनित खिलाड़ी, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं, पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए समय पर लौट आएंगे, जो 22 मई को हेडिंग्ले में शुरू हो रही है। विश्व कप टीम 4 जून को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में स्कॉटलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के शुरुआती ग्रुप मैच से पहले 31 मई को कैरेबियन के लिए उड़ान भरेगी।

इंग्लैंड प्रोविजनल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और टी20 टीम बनाम पाकिस्तान टीम:

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम करेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

पीबीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम आईसीसी के पास भेजा, भारत सहित सभी टीमों के मैच पाक में ही रखे गये

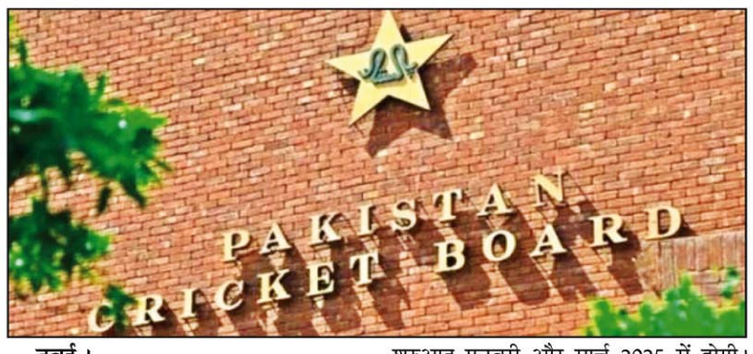

दुबई।
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में भारत सहित सभी टीम के मैच पाक में ही रखें है जबकि भारतीय टीम के वहां जाने की कोई संभावना नहीं हैं। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भेजा है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पूरे पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी पाक करेंगा और किसी भी टीम के मैच तटस्थ स्थल पर कराने की कोई योजना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी के इस नौवें सत्र में शीर्ष 8 एकदिवसीय टीमें शामिल होंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत फरवरी और मार्च 2025 में होगी। नकवी ने कहा कि पीसीबी ही इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करना चाहता है। नकवी ने कहा कि, हम पाक में पूरी चैंपियंस ट्रॉफी चाहते हैं। इसी कारण हमने आईसीसी को कार्यक्रम भेज दिया है। जहां तक सुरक्षा की बात है आईसीसी की टीम ने पाक का दौरा किया था और वह हमारे सुरक्षा इंतजामों से संतुष्ट दिखी है। पीसीबी को उम्मीद है कि भारतीय टीम इसमें शामिल होगी। हालांकि उसकी उम्मीदें पूरी होने की कोई संभावना नहीं है। इसका कारण है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से शायद ही पाक का दौरा करे।

कुश्ती संघ ने इस्तांबुल में ओलंपिक क्वालिफायर टीम में नहीं किया कोई बदलाव, दीपक-सुजीत इस्तांबुल जाएंगे

नई दिल्ली।
भारतीय कुश्ती महासंघ ने फैसला लिया है कि नौ से 12 मई को इस्तांबुल (तुर्किये) में होने वाले अंतिम ओलंपिक क्वालिफायर में वही टीम खेलेगी जो पहले ओलंपिक क्वालिफायर में खेली थी। टीम के चयन के लिए समय कम होने के कारण कोई ट्रायल नहीं कराया जाएगा। बिश्केक (किर्गिस्तान) में हुए पहले ओलंपिक ट्रायल में दीपक पूनिया (86 भार वर्ग) और सुजीत कलकल (65) दुबई एयरपोर्ट पर फंस जाने के कारण नहीं खेल पाए थे। इस बार दोनों पहलवान अंतिम क्वालिफायर में कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों सात मई को टीम के साथ इस्तांबुल रवाना होंगे। दोनों ने अपने रूस में अभ्यास कार्यक्रम को भी टाल दिया है।

ओलंपिक टीम के चयन को होंगे ट्रायल

सुजीत के पिता कुश्ती कोच दयानंद का कहना है कि सुजीत इस वक्त रायपुर अखाड़े में उनकी देखरेख में तैयारी कर रहे हैं। महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह का भी मानना है कि उन्हें अंतिम क्वालिफायर में टोक्यो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहने वाले दीपक पूनिया और सुजीत के अलावा अमन (57) से काफी उम्मीदें हैं। संजय सिंह का कहना है कि पहले क्वालिफायर के बाद समय काफी कम था, इस वजह से टीम के चयन के ट्रायल नहीं कराए जा रहे हैं। अंतिम क्वालिफायर के बाद जिन भार वर्गों में ओलंपिक कोटा हासिल किया गया है। उनमें चयन ट्रायल कराकर पेरिस के लिए टीम भेजी जाएगी।

14 भारतीय पहलवान खेलेंगे

इस्तांबुल में छह-छह भारतीय पहलवान फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन में उतरेंगे, जबकि दो महिला पहलवान मानसी (62), निशा (68) खेलेंगी। यहां पहले तीन स्थान पर रहने वाले पहलवानों को ओलंपिक टिकट मिलेगा। अब तक भारत को चार महिला पहलवानों अंतिम पंघाल, विनेश फोगाट, अंशु मलिक और रीतिका ने ओलंपिक कोटा दिलाया है।

भारतीय टीम:

फ्रीस्टाइल: अमन (57 किग्रा), सुजीत (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), दीपक पूनिया (86 किग्रा), दीपक (97 किग्रा), सुमित (125 किग्रा)।

ग्रीको रोमन: सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील कुमार (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा), नवीन (130 किग्रा)।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान

ऐडन मार्करम कप्तान, टेम्बा बावुमा बाहर; अनकैप्ड पेसर ओटनील बार्टमैन को मौका

नई दिल्ली।
वेस्टइंडीज और अमेरिका में 1 जून से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीम का ऐलान हो गया है। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम घोषणा की है। ऐडन मार्करम कप्तान होंगे। टेम्बा बावुमा को टीम में जगह नहीं मिली है। दूसरी ओर 31 साल के पेसर ओटनील बार्टमैन पहली बार साउथ अफ्रीका की टीम में शामिल हुए हैं। उन्होंने डेब्यू नहीं किया है। नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी को रिजर्व में रखा गया है।

साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट और वनडे में डेब्यू कर चुके विकेटकीपर रयान रिकेल्टन को भी पहली बार टी-20 स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

बार्टमैन-रिकेल्टन को एसएटी-20 में प्रदर्शन के आधार पर मिला मौका – रयान रिकेल्टन और ओटनील बार्टमैन को जनवरी में हुए एसएटी-20 टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन से फायदा हुआ। रिकेल्टन एमआई केप टाउन के लिए 58.88 के औसत और 173.77 के स्ट्राइक रेट से 530 रन बनाकर टूर्नामेंट में टॉप रन-स्कोरर थे। ओटनील बार्टमैन लीग में मार्को यानसन के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने महज 8 मैचों में 18 विकेट हासिल किए थे।

साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड – ऐडन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, जेराल्ड कूट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन,

हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्त्या, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी और ट्रिस्टन स्टब्स।

ट्रैवलिंग रिजर्व – नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी।

साउथ अफ्रीका टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-डी का हिस्सा – टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में साउथ अफ्रीका ग्रुप डी का हिस्सा है। टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच खेला जाएगा। मुकाबला 1 जून को डलास में ही होगा। क्रिकेट इतिहास का पहला मुकाबला भी अमेरिका और कनाडा के बीच ही 1844 में खेला गया था। साउथ अफ्रीका पहला मैच 3 जून को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद उसका मैच 8 जून को नीदरलैंड, 10 जून को बांग्लादेश और 15 जून को नेपाल के खिलाफ होगा।

साउथ अफ्रीका अब तक वर्ल्ड कप नहीं जीत सका – साउथ अफ्रीका की टीम अब तक वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है। टीम इंडिया ने 2007 में पहली बार हुए टूर्नामेंट का ही खिताब अपने नाम कर लिया था। भारत के अलावा पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने भी 1-1 बार खिताब जीता है। वेस्टइंडीज (2012 × 2016) और इंग्लैंड (2010 × 2022) ने 2-2 बार टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा किया है। टूर्नामेंट अब तक 8 बार खेला गया है, अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट का 9वां एडिशन खेला जाएगा।

माइग्रेन के इलाज के लिए कुछ घरेलू नुस्खे

माइग्रेस सिर से जुड़ी बीमारी है। इसके अधिक बढ़ जाने पर सिर में अक्सर दर्द की शिकायत होती है। सिरदर्द एक बहुत ही आम समस्या है। यह सिरदर्द जब केवल आधे सिर में होता है तो इसे आधा सीसी या माइग्रेन कहते हैं। आंख के ऊपर से शुरूहोता यह दर्द सिर के ऊपर एक स्थान पर स्थिर हो जाता है अथवा सिर के पीछे तक चला जा सकता है। जी मिचलाना, आंखों के आगे अंधेरा छा जाना, चक्कर आदि इसके आम लक्षण हैं।

माइग्रेन का दर्द इतना भंयकर होता है कि प्राय: व्यक्ति अपने पर नियंत्रण नहीं रख सकता। कामकाज करते समय यदि आपके सिर में बार-बार हल्का सा भी दर्द होता है तो उसके प्रति सतर्प रहें क्योंकि हो सकता है आप भी माइग्रेन के शिकार बन रहे हों।

चिकित्सकों से इलाज के साथ-साथ मालिश भी माइग्रेन से निजात पाने में आपकी मदद कर सकती है। जिस समय माइग्रेन का दौरा पड़े उस समय सिर पर हल्की-हल्की मालिश किया जाना लाभदायक होता है। यदि आप मालिश करवाने की स्थिति में न हों तो कनपटियों को अंगुलियों से दबाएं तथा अगूंठे को मोड़कर माथे पर दबाव दें। इससे आपको अस्थायी तौर पर राहत जरूर मिलेगी। एक अच्छे मालिश करने वाले को यह पता होता है कि खोपड़ी के किस हिस्से को कितना दबाना या सहलाना है। वे लोग जो माइग्रेन से ग्रस्त हैं उन्हें थोड़े-थोड़े समय बाद मालिश करवाते रहना चाहिए यह निश्चित ही उनके लिए लाभदायक होगा। मालिश के समय आसपास का वातावरण बिल्कुल शांत होना चाहिए।

अनेक घरेलू उपाय भी ऐसे हैं जो आपको माइग्रेन से राहत दिला सकते हैं। जैसे लौंग या बड़ी इलायची का छिलका पीसकर थोड़ा गर्म करके सिर पर लेप करने से दर्द में राहत मिलती है। शुद्ध शहद में थोड़ा नमक मिलाकर चाटने या पुराने गुड़ में थोड़ा कपूर मिलाकर सूर्योदय के पहले खाने से भी माइग्रेन से राहत मिलती है। सुबह गाय का ताजा घी नाक में चढ़ाने या केसर डालकर सूघंने से आधा सीसी का दर्द दूर हो जाता है। केसर को बादाम के तेल में मिलाकर सूंघने से भी दर्द कम हो जाता है। ऐसा दिन में लगभग तीन बार करना चाहिए। रीठे के पानी में पीसकर उसका मत्स्य देना भी फायदेमंद होता है। नीम की पत्तियां, काली मिर्च और चावल के मिश्रण का भी नस्य दिया जा सकता है। इसके लिए नीम की पत्तियों को काली मिर्च और चावल के साथ पीस लें। इस पाउडर का नस्य लेने से दर्द जरूर दूर होता है। नौसादर के साथ हल्दी मिलाकर सूंघने या पुरानी रूई का धुंआ सूंघना भी माइग्रेन से राहत दिलाता है। दर्द से तुरंत राहत के लिए नारियल पानी नाक में टपकाएं अथवा जमालगोटा के बीज पीसकर जिस तरफ दर्द हो रहा हो उससे विपरीत दिशा में माथे पर लगाएं। लगभग तीन मिनट बाद इसे कपड़े से पोंछ दें। यदि किसी प्रकार की जलन महसूस हो तो थोड़ा सा देशी घी लगा लें। दर्द उठने पर फूलों का रस विपरीत दिशा वाली नासिका में डालने से भी तुरंत आराम मिलता है।

सुबह होते ही गाय का ताजा दूध नाक से ऊपर खींचने से भी माइग्रेन से निजात मिलती है। यदि रोग बहुत पुराना हो गया हो तो भी परेशानी की कोई बात नहीं। इसके लिए गाजर के पत्तों को उबाल कर ठंडा कर लें और उसका पानी नाक और कान में डालें। ऐसा करने से पुराने से पुराना माइग्रेन भी ठीक हो जाता है। इन उपायों के साथ आपकी दिनचर्या में बदलाव भी माइग्रेन से राहत दिलाता है। जहां तक संभव हो माइग्रेन के रोगी को सुबह सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। सुबह जल्दी उठने के लिए जरूरी है कि रात को जल्दी सोया जाए। वे महिलाएं जो गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन करती हैं उन्हें, इनका सेवन नियंत्रित तरीके से डॉक्टर को देखरेख में करना चाहिए अन्यथा वे भी माइग्रेन की शिकार हो सकती हैं।

पोटैशियम की कमी से होते हैं ये मानसिक प्रभाव

पोटैशियम कैल्शियम, पोटैशियम क्लोराइड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और सल्फर सहित हमारे शरीर के लिए सबसे आवश्यक मिनरल्स में से एक होता है। आमतौर पर वयस्कों को रोजाना 47000 मिलीग्राम पोटैशियम की जरूरत होती है, पोटैशियम हृदय, दिमाग और मांसपेशियों की कार्यप्रणाली में मदद करता है। शरीर में पोटैशियम की कमी से हाइपोकैलीमिया होने का खतरा हो जाता है। मुख्य कारण पोटैशियम की कमी हो सकता है।

क्यो होता है ब्रेन कैंसर

ब्रेन कैंसर दिमाग में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि के कारण होता है। ब्रेन प्रेशर बढने से इसमें सिरदर्द, उल्टी आना, जी मचलाना, आदि इसके प्राथमिक लक्षण हैं। मोबाइल फोन भी ब्रेन कैंसर का कारण हो सकते हैं। हमारे शरीर की आवश्यकता के अनुसार कोशिकाएं विभाजित होती हैं, बढ़ती हैं और डेड हो जाती हैं। मरने वाली कोशिकाओं का स्थान नई पैदा हुई कोशिकाएं ले लेती हैं।

जब कभी यह व्यवस्था भंग होती है, नई कोशिकाएं असमय पैदा हो जाती हैं और पुरानी समाप्त नहीं होती हैं ऐसे में अतिरिक्त कोशिकाएं और उतकों का एक गांठ बन जाता है जो कि कैंसर का प्रमुख कारण होता है और यही स्थिति आदमी के दिमाग में बनती है जिसे ब्रेन कैंसर होता है। ब्रेन कैंसर की अवस्थाओं को चार हिस्सों में बांटा गया है। पहले अवस्था की स्थिति प्राथमिक होती है जिसे नार्मल स्टेज भी कहा जाता है जिसमें मरीज का इलाज संभव होता है। लेकिन ब्रेन कैंसर अवस्था के चौथे स्ट्ज में स्थित घातक हो जाती है और कोशिकाएं नियंत्रण से बाहर हो जाता है।

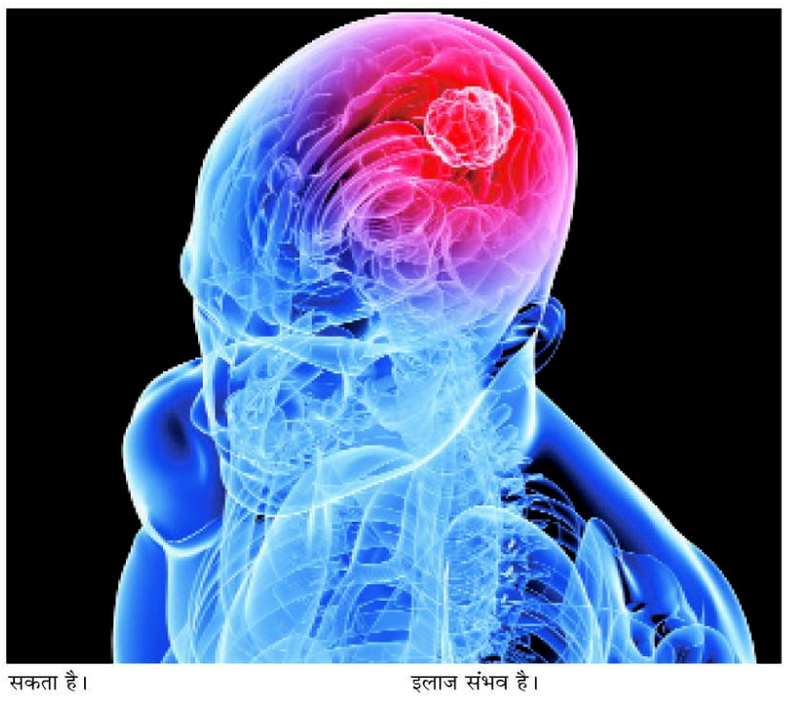

ब्रेन कैंसर की अवस्थाएं

स्टेज 1

ब्रेन कैंसर की वह नार्मल स्थिति होती है जिसकी रोकथाम आसानी से की जा सकती है। इस स्थिति में कोशिकाओं का विकास बहुत धीरे होता है। टयूमर दिमाग से शरीर के दूसरे हिस्से में नहीं फैलता है। इस स्टेज को आसानी से सर्जरी के जरिए स्कल को खोलकर टयूमर को हटाया जा सकता है। कीमोथेरेपी ओर रेडिएशन थेरेपी के जरिए भी इस स्टेज का इलाज किया जा सकता है।

स्टेज 2

ब्रेन कैंसर की इस स्थिति में घातक ब्रेन सेल्स के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगते हैं। अगर इसका निदान नहीं किया गया तो टूयमर बढने लगता है और घातक साबित हो सकता है। कीमोथेरेपी के जरिए इस अवस्था का इलाज संभव है।

स्टेज 3

ब्रेन कैंसर की इस स्थिति में टयूमर परिपक्व होकर आक्रमक हो जाता है। घातक कैंसर सेल्स तेजी से फैलकर शरीर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाने लगते हैं। दिमाग को शरीर के अन्य संकेतों को पहचानने में दिक्कत होने लगती है। आदमी को शरीर का संतुलन बनाने में दिक्कत होने लगती है। बुखार और उल्टी लगातार होने लगती है। रेडिएशन थेरेपी के जरिए

इस स्टेज का इलाज कुछ हद तक संभव है।

स्टेज 4

यह ब्रेन कैंसर की आखिरी अवस्था होती है। इसमें टूयमर पूर्णतया विकसित होकर शरीर को पूरी तरह से क्षति पहुचाने लगता है। घातक उतकों की पहचान मेडिकल जांच के द्वारा भी मुश्किल से हो पाती है। कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और लेजर थेरेपी द्वारा इस स्टेज पर इलाज के लिए सुझाव दिया जा सकता है। मस्तिष्क कैंसर के रोगियों को की उम्र बढाने में व्यायाम कारगर साबित होता है। एक अध्ययन में कहा गया है कि इस रोग से पीडित रोगी को नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए।

ब्रेन ट्यूमर की बृद्धि को रोकेगा ओएसएमआर प्रोटीन

आम सिरदर्द की समस्या कई बार ब्रेन ट्यूमर का लक्षण होती है। शायद इसलिए ही ब्रेन ट्यूमर को साइलेंट किलर कहा जाता है क्योंकि पहचान न होने से व्यक्ति अनजान रहता है और अंदर-ही-अंदर यह गंभीर होता जाता है। हालांकि एक शोध के अनुसार एक प्रोटीन ब्रेन ट्यूमर को बनने से रोक सकता है। कनाडा के मैक गिल युनिवर्सिटी की शोध के अनुसार ओएसएमआर (ऑन्कोस्टैटिन एम रिसेप्टर) प्रोटीन की क्रियाशीलता को बंद कर देने से ट्यूमर का विकास रुक जाता है। यह प्रोटीन 'ग्लियोब्लास्टोमा ट्यूमर्स' के निर्माण के लिए आवश्यक है, जो न सिर्फ रेडिएशन व कीमोथेरेपी के प्रति प्रतिरोधी है, बल्कि सर्जरी के माध्यम से इसे निकालना भी बेहद कठिन है। शोधकर्ता के अनुसार इस तरह के ट्यूमर से ग्रस्त मरीज बेमुश्किल 16 महीने से अधिक नहीं जी पाते हैं। ओएसएमआर जितना अधिक क्रियाशील होगा, मरीज की मौत उतनी ही जल्दी होगी। शरीर में बननेवाले सेल्स कुछ समय बाद नष्ट हो जाते हैं और उनकी जगह नये सेल्स बन जाते हैं। यह एक साधारण प्रक्रिया है। जब यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है, तो ट्यूमर सेल्स बनने लगते हैं। सजर्री इसका प्रमुख इलाज है। सर्जरी के दौरान अगर इस तरह की एक भी कोशिका बची रह जाती है, तो वह फिर से एक ट्यूमर का विकास कर लेती है।यह किसी भी उम्र में हो सकता है। तीन से 15 वर्ष के बच्चों को हो सकता है। ज्यादातर 50 वर्ष के बाद होता है।

टांसिलों की बीमारी को न करें नजरंदाज

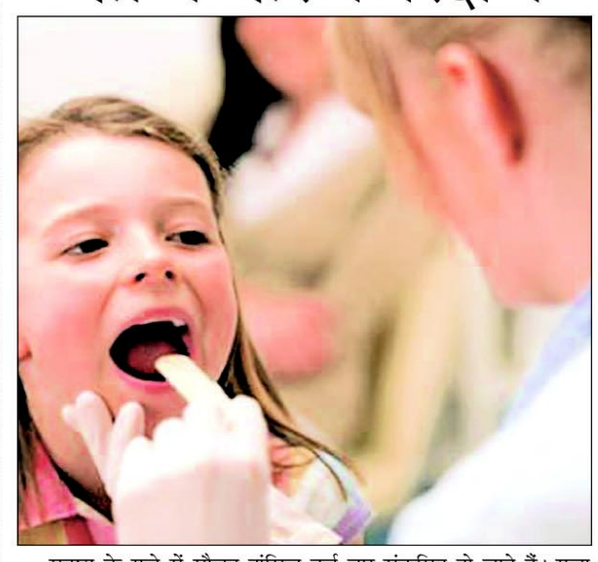

मनुष्य के गले में मौजूद टांसिल कई बार संक्रमित हो जाते हैं। गला हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। शरीर के भीतर पहुंचने वाले खाद्य-पदार्थ तथा हवा-पानी के प्रवेश का दायित्व इसी पर है। इसी कारण यही हिस्सा हमारे द्वारा ग्रहण किये जाने वाले भोजन, जल तथा वायु में उपस्थित किसी भी जहरीले तत्व से सबसे पहले प्रभावित होता है। नाक और कान भी इससे अछूते नहीं रहते। हालांकि बाहरी रूप से देखने से हमारे नाक, गला व कान अलग-अलग दिखाई देते हैं परन्तु गले के भीतर जाकर इन तीनों अंगों की कोशिकाएं आपस में मिल जाती हैं। इस कारण इन तीनों अंगों में से किसी एक भी अंग में किसी प्रकार का संक्रमण हो जाता है तो उसका प्रभाव तीनों अंगों पर पड़ता है।

कोई भी संक्रमण होते ही जल्दी से उसका उपचार किया जाए

बाहरी वातावरण में उपस्थित किसी भी जहरीले तत्व के संक्रमण से इन अंगों को बचाने के लिए प्रकृति ने मुख तथा गले की संरचना इस प्रकार की है कि उन जहरीले तत्वों को हमारे मुंह के अंदरूनी तंत्र पर कोई प्रभाव न पड़े। बाहरी रूप में देखने पर नाक व मुख एक सम्पूर्ण अंग के रूप में ही दिखाई देते हैं, उनके अलग-अलग हिस्से दिखाई नहीं देते। परन्तु वास्तव में यह अंग कई हिस्सों में बंटे होते हैं। हालांकि निटलकैविटी मारेटेज और नेटलचेप्टर देखने में तो अलग-अलग दिखाई देते हैं परन्तु पीछे जाकर गले की अंदर आपस में एक गुहा में मिल जाते हैं जिसे ओरोफेरिंगल्स कहते हैं ओरोफेरिगल्स के ऊपर नाक के पीछे के भाग को लेजोफेरिग्ल्सं कहते हैं।

टांसिल की समस्या का कारण किसी भी प्रकार का प्रदूषण या संक्रमण हो सकता है जो हमारे शरीर में मुख व नाक से प्रवेश कर रहा हो। ये प्रदूषण या इन्फेक्शन वायरल या बैक्टीरियल किसी भी प्रकार के प्रदूषक से दूषित हवा सांस के माध्यम से जब शरीर में प्रवेश कर जाती है तो यह तुरंत समस्या पैदा कर सकती है। ऐसे स्थान जहां के वातावरण में बदबू, सीलन तथा अन्य किसी रासायनिक तत्व का समावेश हो ऐसे स्थानों में वायु के द्वारा निरन्तर जहरीले तत्वों के सम्पर्प में आने के कारण टांसिल रोग की समस्या खड़ी हो सकती है। बच्चों में इस रोग के ज्यादा मामले दृष्टिगत होते हैं क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। ऐसा नहीं कि बड़ी उम्र के लोग इससे ग्रसित नहीं हो सकते उनमें भी यह समस्या देखी जा सकती है। टांसिलाइटिस इस रोग की एक खतरनाक अवस्था होती है क्योंकि शरीर में एन्टीबाडीज होने के कारण प्रतिक्रिया होती रहती है। इस अवस्था में जैसे ही एंटीजन हमारे शरीर में प्रवेश करता है वैसे ही टांसिल टिश्यू उससे लड़ना शुरू कर देते हैं इससे जो एंटीजन बनता है वह शरीर के अन्य भागों में उपस्थित प्रोटीन के साथ प्रतिक्रिया करके वहां भी इसी प्रकार के एंटीबाडीज बना देता है। इन एंटीबाडीज का दिल के वॉल्व पर सीधा प्रभाव पड़ता है तथा दिल के वॉल्व खराब होने का खतरा पैदा हो जाता है। टांसिल तो ज्यादातर बच्चों को होता है परन्तु इसका दिल पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव किसी भी उम्र में पड़ सकता है। बचपन में गले के संक्रमण का उचित उपचार न होना भी हमारे देश में दिल की बीमारियों का एक कारण है। इसके अतिरिव्त टांसिल से बैराफेंगिल्स एपशिश, न्यूट्राफरिंग्ल्स एपाशीश जैसी बीमारियां भी हो सकती हैं। शरीर की यांत्रिक संरचना में विषैले तत्वों को गड़बड़ी के कारण पैदा होने वाली इस समस्या की पहचान कुछ प्रारंभिक लक्षण देखकर की जा सकती है जैसे- बार-बार गला खराब होना, गले में सूजन होना, दर्द होना, बार-बार बुखार आना आदि। यदि ऐसे ही लक्षण रोगी को बार-बार हो रहे हों। जैसे एक वर्ष में पांच या छह बार तो उसे टांसिल का आपरेशन करवा लेना चाहिए। टांसिल के संक्रमण से बचने के लिए जरूरी है कि बच्चों को संतुलित भोजन दिया जाए ताकि उनके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो। टांसिल के संक्रमण के लक्षण दिखते ही तुरंत डाक्टर से सम्पर्प करें। डॉक्टर द्वारा दिए गए दवाई के कोर्स को पूरा करना चाहिए। अक्सर लोग थोड़ा सा आराम मिलते ही दवाई बंद कर देते हैं परंतु ऐसा करना रोग को और अधिक उग्र बना देता है।

जीवन में सफल बनना है तो अपने सोने का समय कर लें फिक्स

हर रात एक नियत समय पर सोना थोड़ा मुश्किल है। खासतौर पर तब जब आपके फेवरिट टीवी सीरियल में कोई रोचक और रहस्यपूर्ण कहानी आ रही हो। ऐसे में आप अपना सीरियल देखने के लिए देर रात 2 बजे तक जगे रहते हैं। वहीं दूसरी रात आप 10 बजते-बजते बिस्तर पकड़ लेते हैं क्योंकि आप पिछली रात देर तक जगने की वजह से काफी थके हुए थे।

लेकिन सोने का यह तरीका आपको कई तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि ऐसे लोग जिनके सोने का समय फिक्स है यानी जो लोग हर रात एक ही समय पर सोते हैं वे उन लोगों की तुलना में ज्यादा सफल होते हैं जो हर रात अलग-अलग समय पर बिस्तर पर जाते हैं। यही नियम स्टूडेंट्स पर भी लागू होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऐसे स्टूडेंट्स जिनके नींद का पैटर्न रेगुलर नहीं है उनके ग्रेड्स दूसरे स्टूडेंट्स की तुलना में खराब थे।

इतना ही नहीं जो लोग हर रात एक नियत समय पर सोते हैं वह सुबह आसानी से उठ जाते हैं और उन्हें अलार्म को बार-बार स्नूज नहीं करना पड़ता। साथ ही ऐसे लोगों को बिस्तर पर जाकर बार-बार करवट बदलने की जरूरत भी नहीं पड़ती। उन्हें बिस्तर पर लेटते ही तुरंत नींद आ जाती है।

जो लोग हर रात अलग-अलग समय पर सोते हैं उन्हें बिस्तर पर जाने के बाद भी नींद के लिए संघर्ष करना पड़ता है क्योंकि मेलाटोनिन नाम के हार्मोन का अनियमित रिलीज होने लगता है। यह वह हार्मोन है जो हमारी नींद के लिए जिम्मेदार है। अनियमित रूटीन आपके बॉडी क्लॉक को कन्फ्यूज कर देती है। बायोफिजिस्ट डॉ ऐन्ड्र्यू जे के फिलिप्स कहते हैं, हमारे नतीजे इस बात की ओर इशारा करते हैं कि अपने सोने और उठने का समय फिक्स कर देना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि वह शख्स कितने घंटे सो रहा है, यह फिक्स करना।

ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त बरते ये सावधानियां

घर बैठे अपने कंप्यूटर या लैपटॉप पर आराम से ऑनलाइन शॉपिंग करना जितना आरामदायक है, वहीं इसमें कुछ खतरे भी हैं। लिहाजा ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है-

» ऑनलाइन शॉपिंग में आप तब तक महफूज हैं, जब तक आप अनजान लोगों को अपने कार्ड या अकाउंट से संबंधित जानकारियां साझा नहीं करते। अक्सर ऐसे लोग हैकिंग का शिकार होते हैं जो अपने कम्प्यूटर सिस्टम के ऐंटीवायरस और ऑपरेटिंग सिस्टम को समय-समय पर अपडेट नहीं करते हैं।

» किसी भी ऑनलाइन पोर्टल पर खरीददारी करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप किसी ऐसे लिंक पर क्लिक तो नहीं कर रहे हैं, जो आपको बिना किसी कारण के अवांछित ई-मेल भेजते हैं या लिंक्स पर जाने के बाद आपको चकित कर देने वाले आकर्षक ऑफर तो नहीं मिल रहें हैं। अक्सर ये हमें भ्रमित कर हमारी जानकारियां चुराने का माध्यम बन जाते हैं।

» ऑनलाइन शॉपिंग करने के बाद निश्चिंत हो जाना आपको कभी-कभी महंगा पड़ सकता है इसलिए जरूरत है कि आप अपने बैंक स्टेटमेंट की वक्त-वक्त पर जांच करते रहें।

» ऑनलाइन शॉपिंग के लिए कोशिश करें कि एक ही कार्ड का प्रयोग करें ताकि अकाउंट चेक करते समय दिक्कतों का सामना न करना पड़े और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर तुरंत पता चल जाए।

» कोशिश करें कि डेबिट कार्ड की जगह क्रेडिट कार्ड से भुगतान करें क्योंकि बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ जो गारंटी देता है, वह डेबिट कार्ड के साथ नहीं मिलती है।

इन असरदार उपायों को अपनाएं और पथरी से छुटकारा पाएं

गुर्दे में पथरी होना काफी आम बात हो गई है। इसके होने की एक बड़ी वजह गलत खान-पान भी है। गुर्दे में पथरी होने से बहुत दर्द होता है। पथरी अगर छोटे आकार की हो तो पेशाब के रास्ते निकल जाती है लेकिन अगर इसका आकार बड़ा हो तो यह बाहर निकल नहीं पाती। इस कारण पेशाब करते वक्त दर्द और जलन महसूस होती है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर इससे छुटकारा पाया जा सकता है।

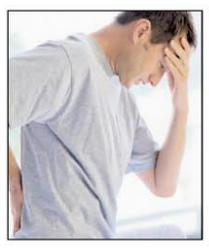

1. पानी : पानी की कमी होने से पथरी बनने वाले तत्व गुर्दे में फंस जाते हैं जो बाद में पथरी की समस्या पैदा करते हैं। इस लिए दिन में 2-3 लीटर पानी पीएं।

2. केला : केला पथरी के इलाज में काफी मददगार होता है। इसमे विटामिन बी 6 होता है, जो स्टोन को बनने से रोकता है।

3. नींबू का रस और जैतून का तेल : दर्द होने पर 60 मिली लीटर नींबू के रस में बराबर मात्रा में जैतून का तेल मिला कर सेवन करने से आराम मिलता है। ये स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

4. प्याज : 70 ग्राम प्याज को पीस लें और इसका रस निकालें। रोज सुबह इस रस का खाली पेट सेवन करने से पथरी छोटे-छोटे टुकड़े होकर निकल जाएगी।

5. तुलसी : इसका रस पीने से पथरी को यूरीन के रास्ते बाहर निकलने मे मदद मिलती है।

6. करेला : इसमें मैग्नीशियम और फॉस्फोरस नामक तत्व होते हैं। यह पथररी को बनने से रोकता है।

रेसिपी

पोहा खीर

सामग्री

पोहा 50 ग्राम, चीनी 80 ग्राम, काजू 8 या 10 कटे हुये, किशमिश थोड़ी सी, पिस्ते 12-15 कटे हुये, इलायची - 5, फूल क्रीम दूध आधा किलो।

विधि

दूध को किसी भारी तले के बर्तन में डालकर गरम करने के लिये रख दीजिए। दूध में उबाल आने पर गैस को धीमा कर दें और उबलते दूध में पोहा डाल का धीमी आंच पर पकने दें और हर 2-3 मिनिट में इसे चलाते रहें । इसे तब तक पकाएं जब तक की पोहा फूल कर दूध के साथ एकसार न हो जाए। खीर में मेवे डाल दें खीर को अच्छी तरह चमचे को बर्तन के तले में ले जाते हुये चलाइये, खीर को गाढ़ा होने तक पकाइये, थोड़ी थोड़ी देर में चलाते रहिये। अच्छी तरह से मिक्स होकर एकसार हो जाएं तब इसमें चीनी मिला दें और खीर को 1-2 मिनिट तक या चीनी घुलने तक और पका लें। खीर में इलायची पाउडर डालकर मिला दें। लगभग 15- 16 मिनिट में खीर बन जाती है, पोहा खीर बन कर तैयार है, पतले कतरे मेवे ऊपर से डाल कर सजाईये।

चॉकलेट की रसमलाई

सामग्री

140 मिली लीटर कंडेंस्ड मिल्क, 1 कप दूध, 4 बड़ा चम्मच कोको पाउडर, एक छोटा चम्मच वेनीला एक्स्ट्रैक्ट, 14-15 छेना रसगुल्ले, सजावट के लिए, एक बड़ा चम्मच पिस्ता और मेवे कटे हुए

विधि

सबसे पहले रसगुल्लों को दबाकर इनका रस निकाल दें। ध्यान रखें कि फटे न। मीडियम आंच में एक पैन में दूध गर्म करें और इसमें कोका पाउडर और वेनीला एक्स्ट्रैक्ट डालकर गाढ़ा होने तक चलाते हुए पकाएं। अब एक बड़े बर्तन में कंडेंस्ड मिल्क डालें और इसमें दूध-कोको वाला मिश्रण मिलाकर धीमी आंच में एक उबाल आने तक पका लें। इसे चलाते रहें। अब इसमें रसगुल्ले डालें और 2-3 मिनट तक ढक कर पकाएं। इसे 2-3 घंटे तक ठंडा होने दें। इसका ख्याल रखें कि रसगुल्ले चॉकलेट में अच्छी तरह डूब जाएं। तैयार चॉकलेट रसमलाई को पिस्ता व मेवे से गार्निश कर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**